डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका न्यूज़ पेपर, वेबसाइट और डिजिटल में विज्ञापन के लिए संपर्क करें - 8058969180

रॉयल पत्रिका

मुस्लिम रिश्तों और नौकरियों के लिए पढ़े पेज 5

वर्ष :19 | अंक : 44 | पेज: 8 | जयपुर, सोमवार, 02 दिसंबर से 08 दिसंबर 2024 | साप्ताहिक | मूल्य: 5 रुपए

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप नही करेगी कांग्रेस से गठबंधन

- हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने आप से गठबंधन से इंकार कर दिया था

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक प्रेस काफ्रेंस में घोषणा की कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नही होगा। आम आदमी पार्टी अकेला चुनाव लड़ेंगी। इससे पहले दिल्ली कांग्रेस अहयक्ष देवेंद्र यादव द्वारा कहा गया था कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेंगी। फरवरी 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। आमआदमी पार्टी एवं कांग्रेस इण्डिया गइबंधन का भाग है। दिल्ली में लोकसभा चुनाव दोनों पार्टीयों ने साथ मिलकर लड़ा

था। लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव के समय से दोंनो पार्टियों में खटास पैद हो गई । हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी कांग्रेस से गठबंधन करना चाहती थी। लेकिन हरियाणा के कुछ कांग्रेस नेताओं की जिद के चलते दोनों में गठबंधन नही हो सका था। अब आम आदमी पार्टी के संयोजक कांग्रेस के पद चिन्हों पर चलते हुए कांग्रेस से गठबंधन करने के इंकार कर रहे है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन नही करने का कांग्रेस पार्टी को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। इण्डिया गठबंधन कांग्रेस पार्टी के प्रयासों से बना था और कांग्रेस ही गठबंधन को कमजोर कर रही है। अभी कांग्रेस की स्थिति इतनी मजबूत नही है जिससे वह देश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव अपने बूते पर जीत सके। जबकि आम आदमी पार्टी की पंजाब एवं दिल्ली राज्य में मजबूत स्थिति है। आम आदमी पार्टी अपने विकास कार्यो के चलते दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव जीत भी सकती है।

देश की घटती जनसंख्या दर पर आरएसएस प्रमुख भागवत चिंतित

-देश में जनसंख्या दर 2.1 प्रतिशत से नीचे आई

जयपुर। समय तेजी से बदल रहा है। एक समय था जब देश की सरकार जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए विभिन्न जनसंख्या कंट्रोल प्लान चलाती थी। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने तो जनसंख्या कंट्रोल के लिए पुरुषों की जबरदस्ती नसबंदी अभियान चलाया था। उसके बाद सभी सरकारों ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए विभिन्न योजनाएं तो चलाई ही साथ में योजना को सफल बनाने में भागीदारों को प्रोत्साहन भी किया। सरकार ने नारा दिया कि "हम दो हमारे दो" बढ़ती जनसंख्या को देश में गरीबी और शिक्षा से जोड़ा गया। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों के चलते देश में मल्टीनेशनल कंपनियों की बाढ़ आ गई और देश के व्यापारी, इंजीनियर, डॉक्टर, टेक्नीशियन एवं विशेषज्ञों पर पैसा बरसने लगा। देश में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए ट्रैन्ड युवाओं की जरूरत होने लगी। धीरे-धीरे जिस बढ़ती जनसंख्या को अभिशाप माना जाता था। वही जनसंख्या देश के विकास के लिए वरदान साबित हो रही है। ग्लोबलाइजेशन में भारतीय युवाओं और व्यवसायियों के लिए विश्व में काम के अवसर बढ़ गए हैं। दूसरी तरफ समाज में शिक्षा बढ़ाने के कारण सभी वर्गों में जनसंख्या दर घटने लगी है। घटती जनसंख्या देश की आर्थिक, सामाजिक अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

भागवत की चिंता क्यों :- आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की है। भागवत का कहना है कि देश की जनसंख्या दर 2.1 से भी नीचे आ गई है।

जो समाजों कि आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति के लिए नुकसानदायक है। भागवत को यह भी चिंता हो रही है कि उनका हिंदूवादी संगठन आरएसएस हिंदुओं के हितों के लिए संघर्ष करता है। आरएसएस हमेशा देश में मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करता आया है। इसलिए आरएसएस के नेता कहते मिल जाते हैं कि हिंदुओं को चार-पांच बच्चे अवश्य पैदा करने चाहिए। दूसरी तरफ मुस्लिम समुदाय जिस पर देश में तेजी से जनसंख्या बढ़ने का आरोप है कि भी प्रजनन दर तेजी से घट रही है। मुसलमानों में घटती प्रजनन दर का मुख्य कारण बढ़ती शिक्षा एवं जागरूकता को माना जा रहा है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की चिंता इसलिए भी है कि देश में हिंदुओं की जनसंख्या सबसे ज्यादा घट रही है।

हिंदू सबसे ज्यादा धर्म बदलकर दूसरे धर्म में जा रहे हैं। हिंदू धर्म का बड़ा हिस्सा दलित वर्ग, बौद्ध धर्म एवं ईसाई धर्म अपना रहा है। इसलिए भागवत की चिंता सिर्फ हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर दिखाई दे रही है।

पुलिस को सतर्क रहने की जरूरत:- प्रधानमंत्री मोदी

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2024 को भुवनेश्वर में 59वें अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक सम्मेलन में भाग लिया। समापन सत्र में, प्रधानमंत्री ने खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक वितरित किए। अपने समापन भाषण में, प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन के दौरान सुरक्षा चुनौतियों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयामों पर व्यापक चर्चा हुई और चर्चाओं में सामने आयी जवाबी रणनीतियों पर संतोष व्यक्त किया। अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और एआई तकनीक के कारण उत्पन्न संभावित खतरों, विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने वाले डीप फेक की क्षमता पर चिंता व्यक्त की। एक जवाबी उपाय के रूप में, उन्होंने पुलिस नेतृत्व से भारत की दोहरी एआई शक्ति – कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और 'आकांक्षी भारत' – का उपयोग करके चुनौती को अवसर में बदलने का आह्वान किया। उन्होंने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस को रणनीतिक, सतर्क, अनुकूल, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया। शहरी पुलिस व्यवस्था में की गई पहल की सराहना करते हुए, उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पहल को देश के 100 शहरों में समन्वित और लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस बल के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया और सुझाव दिया कि पुलिस स्टेशन को संसाधन आवंटन के लिए केंद्र बिंदु बनाया जाना चाहिए। कुछ प्रमुख समस्याओं के समाधान में हैकाथॉन की सफलता पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पुलिस हैकाथॉन आयोजित करने पर भी विचार–विमर्श करने

का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ने बंदरगाह सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और इसके लिए भविष्य की कार्य योजना तैयार करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। गृह मंत्रालय में सरदार वल्लभभाई पटेल के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने गृह मंत्रालय से लेकर पुलिस स्टेशन स्तर तक के पूरे सुरक्षा प्रतिष्ठान से अगले वर्ष उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का आह्वान किया और पुलिस बल से पुलिस की छवि, पेशेवर कुशलता और क्षमताओं में सुधार लाने वाले किसी भी पहलू पर लक्ष्य निर्धारित करने और उसे हासिल करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने पुलिस से आधुनिकीकरण करने और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप बनने का आग्रह किया। सम्मेलन के दौरान आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, साइबर अपराध, आर्थिक सुरक्षा, आव्रजन, तटीय सुरक्षा और मादक पदार्थों की तस्करी सहित राष्ट्रीय सुरक्षा की मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर गहन चर्चा हुई। बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा पर उभरती सुरक्षा चिंताओं, शहरी पुलिस व्यवस्था के रुझानों और दुर्भावनापूर्ण आख्यानों का मुकाबला करने की रणनीतियों पर भी विचार–विमर्श किया गया। इसके अलावा, नए बनाए गए प्रमुख आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन, विभिन्न पहलों और पुलिस व्यवस्था में सर्वोत्तम तौर–तरीकों के साथ–साथ पड़ोस में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रमों के दौरान बहुमूल्य जानकारी दी और भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार किया। सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और केंद्रीय गृह सचिव भी शामिल हुए। हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित इस सम्मेलन में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी/आईजीपी और सीएपीएफ/सीपीओ के प्रमुख भी उपस्थित थे तथा सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से विभिन्न रैंकों के 750 से अधिक अधिकारियों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया।

निकाहनामे को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट का ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण फैसला

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुस्लिम रीति के अनुसार होने वाली शादी में उर्दू भाषा में जारी निकाहनामा को समझने में आसान बनाने के लिए उसे द्विभाषी यानी हिन्दी अथवा अंग्रेजी में जारी करने के दिशा-निर्देश के लिए राज्य सरकार को विचार करने को कहा है। पति-पत्नी के बीच एक आपराधिक प्रकरण से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस फरजंद अली की पीठ ने कहा कि शादी एक ज़रुरी रस्म है और इसे पुरुष और महिला के बीच सहवास का संकेत माना जाता है, जो नागरिक समाज में स्वीकार्य है और कानून की दृष्टि में वैध है। निकाह (विवाह) मुस्लिम कानून के अनुष्ठानों के अनुसार एक सामुदायिक सभा में निकाह समारोह करने का ज्ञान रखने वाले व्यक्ति (काजी) द्वारा किया जाता है। इस तरह के पवित्र सम्बन्ध को एक ऐसे दस्तावेज द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए, जो सुस्पष्ट और पारदर्शी हो। निकाहनामा (विवाह प्रमाण-पत्र) को विवाह के तथ्य की मौखिक दलील की पुष्टि में सबूत के रूप में लिया जा सकता है, लेकिन जब प्रमाण-पत्र की सामग्री सरकारी संस्थान, सार्वजनिक संस्थान, निजी संस्थान और कई अन्य विभागों आदि के कर्मचारियों को समझ में नहीं आती है, तो यह समस्या पैदा करता है एक उलझन भरी स्थिति लाता है। इसलिए यह जटिलताएं भी बढ़ा सकता है।जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने मामले में महत्वपूर्ण व्यवस्था करते हुए निकाहनामा

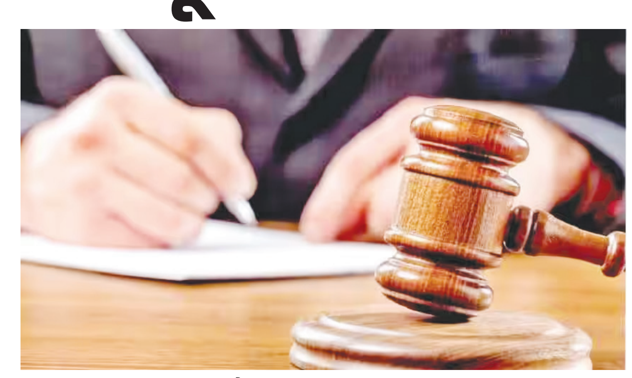

की भाषा का सरल और स्पष्ट होना अत्यंत ज़रुरी बताया ताकि सरकारी संस्थानों, न्यायालयों, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों द्वारा इसे आसानी से समझा जा सके। हाईकोर्ट ने काजी और मौलवियों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए। अदालत ने राज्य सरकार को भी निर्देश दिया कि काजियों और मौलवियों के लिए भी सरकार जारी दिशा-निर्देश या परिपत्र जारी करे, जिला कलेक्टर के कार्यालय मे निकाह संपन्न करने के लिए अधिकृत काजियों की सूची दर्ज करने के निर्देश दिये साथ ही अल्पसंख्यक विभाग को भी हाईकोर्ट ने निर्देश जारी किए।

निकाह में नोटों की बारिश: दूल्हे पर बरसे करोड़ों

- निकाह पढ़ाने वाला काजी मालामाल, जूते चुराने पर मिला लाखों

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक आलीशान निकाह का वीडियो सामने आया है। जिसे देखने के बाद लोगों के होश उड़ गए, वीडियो में दूल्हें के ऊपर पैसों की बारिश हो रही है। निकाह के हर रस्म में कागज की तरह नोट बरसाए जा रहे हैं। वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया में कमेंट्स की बाढ़ आई गई। वायरल वीडियो मेरठ के बाईपास रोड पर स्थित एक महंगे रिसॉर्ट का है। बताया जा रहा है कि निकाह में दुल्हन पक्ष के लोगों ने बड़े-बड़े सूटकेसों में पैसा लाया था। निकाह की रस्म के दौरान दूल्हे पर 2.56 करोड़ रुपए उड़ाए गए। दुल्हन के घरवाले यहीं नहीं रुके और जूता चुराई की रस्म में 11 लाख रुपये दिए। वायरल वीडियो में एक शख्स कह रहा है कि दूल्हे के लिए 2.56 करोड़ रुपये, इसमें 75 लाख रुपये गाड़ी के लिए है। इसके बाद वो आगे कहता है, आठ लाख रुपये मस्जिद के नाम पर दान दिए जाते हैं और निकाह करने वाले काजी को 11 लाख रुपये दिए जाते हैं। यह शाही निकाह न केवल अपनी भव्यता बल्कि भारी-भरकम दहेज को लेकर भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। निकाह में हजारों मेहमानों की मौजूदगी के बीच खर्च और नकदी का यह मामला लोगों के बीच सोशल इंपैक्ट और कानूनी बहस का मुद्दा बन गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दहेज में नकद राशि के साथ-साथ कीमती गहने, और कई सारे लग्जरी आइटम दिए गए। वीडियो वायरल होते ही कई लोग इसे फिजूलखर्ची और दिखावा बता रहे हैं। वहीं कई लोग एक साथ इतने सारे पैसे को लेकर सवाल उठा रहे हैं। निकाह में हजारों मेहमानों की मौजूदगी के बीच खर्च और नकदी का यह मामला लोगों के बीच सोशल इंपैक्ट और कानूनी बहस का मुद्दा बन गया है।

आंध्र प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला, वक्फ बोर्ड को किया भंग

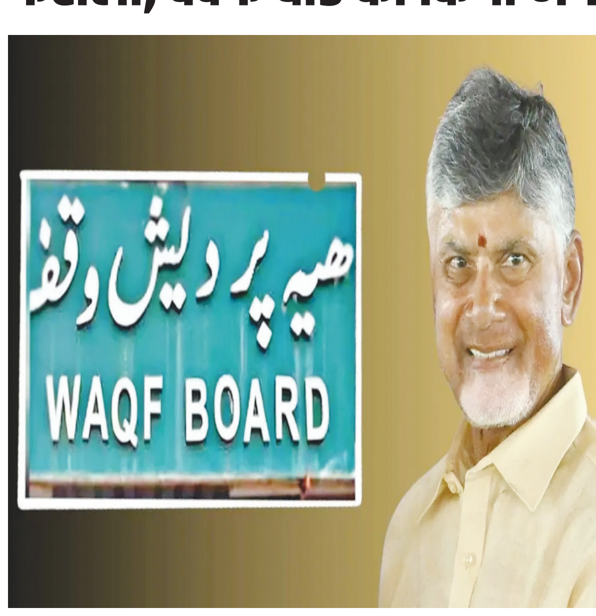

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने सुशासन को बढ़ावा देने, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करने और बोर्ड का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। राज्य सरकार ने 21 अक्टूबर, 2023 को जारी एक सरकारी आदेश (जीओ) को रद्द कर दिया, जिसके तहत 11 सदस्यीय वक्फ बोर्ड में तीन सदस्यों का चुनाव किया गया था और सात अन्य को नामित किया गया था। सरकार के सचिव के। हर्षवर्धन ने शनिवार को जारी एक सरकारी आदेश में कहा, "सुशासन बनाए रखने, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और वक्फ बोर्ड के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के हित में, सरकार तत्काल प्रभाव से जीओ एमएस संख्या 47 (जिसके तहत बोर्ड का गठन किया गया था) को वापस लेती है।" सरकारी आदेश के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सरकार को सूचित किया कि बोर्ड "लंबे समय से निष्क्रिय" रहा है और बोर्ड के गठन के आदेश की वैधता पर सवाल उठाने वाली रिट याचिकाएं भी दायर की गई हैं।सरकारी आदेश में कहा गया है कि दक्षिणी राज्य ने यह निर्णय लेते समय रिट याचिकाओं में उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों पर भी विचार किया।

ZCG Edu. Guidance
15 वर्षों का भरोसा
"B.Ed."
सत्र 2024-26 में प्रवेश लें।
"कश्मीर यूनिवर्सिटी के मान्यता प्राप्त कॉलेजों से"
Shanti Niketan College of Education-Srinagar
Eligibility: UG & PG
जनरल 50% कैटेगरी-45%
"किसी भी फैकल्टी के ग्रेजुएट एडमिशन ले सकते हैं"
- Contact -
9460479393
जयपुर-माधोपुर-गंगापुर

दिल्ली की जेल में बंद शरजील इमाम की बहन फरहा निशात बनीं जज, पास की बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा

जहानाबाद (रॉयल पत्रिका)। जहानाबाद की फरहा निशात ने 32वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा पास कर ली है। वह अब जज बनेंगी। फरहा, देशद्रोह के मामले में जेल में बंद शरजील इमाम की चचेरी बहन हैं। इस खुशखबरी से शरजील का परिवार बेहद खुश है। फरहा की इस उपलब्धि ने पूरे जहानाबाद को गौरवान्वित किया है। वह खासतौर पर महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। शरजील के जेल जाने के बाद परिवार के लिए पहली खुशी 28 वर्षीय फरहा निशात ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता से उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। शरजील इमाम के जेल जाने के बाद उनके परिवार के लिए यह पहला खुशी का मौका है। फरहा की कामयाबी ने उनके परिवार के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। यह मुस्कान किसी और ने नहीं, बल्कि फरहा ने ही दी है।

फरहा ने सुप्रीम कोर्ट में लॉ क्लर्क के रूप में किया हैं काम

फरहा की शुरुआती पढ़ाई काको में हुई। उनकी मां अकबरी खातून गृहिणी हैं। उनके पिता निशात अख्तर सरकारी नौकरी से रिटायर हो चुके हैं। फरहा ने CLAT परीक्षा पास की। उसके बाद हिदायतुल्लाह नेशनल यूनिवर्सिटी, रायपुर से 2018 में कानून की पढ़ाई पूरी की। फरहा ने सुप्रीम कोर्ट में लॉ क्लर्क और रिसर्च असिस्टेंट के रूप में भी काम किया। यहां उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया को करीब से समझा। इसके बाद उन्होंने बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की।

फरहा निशात को क्या पसंद?

फरहा अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बहन-बहनोई और छोटे भाई-बहनों को देती हैं। उन्होंने सेल्फ स्टडी और परिवार के मार्गदर्शन से प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा पास की। इंटरव्यू की तैयारी के लिए उन्होंने कुछ संस्थानों की मदद ली। फरहा को किताबें पढ़ना, बच्चों को पढ़ाना और सीरियल देखना पसंद है। वह कहती हैं कि वह जल्द और न्यायपूर्ण फैसले देकर समाज की सेवा करना चाहती हैं।

शरजील के छोटे भाई ने लिखा भावुक पोस्ट

फरहा की इस उपलब्धि पर लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं। शरजील के छोटे भाई मुज्जम्मिल इमाम ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जिंदगी का यही फलसफा है। एक तरफ भाई जुल्म के खिलाफ इंसाफ की लड़ाई लड़ने के लिए जेल में, तो दूसरी तरफ बहन जुल्म के खिलाफ इंसाफ देने के लिए अब जज की कुर्सी पर बैठेंगी। छोटी बहन फरहा निशात 32वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण हुई। मुझे उम्मीद है कि अपने कार्यकाल में तुम अपने फैसलों से किसी बेगुनाह के साथ जुल्म नहीं होने दोगी।

पहले जानिये शरज़ील इमाम के बारे में

शरज़ील इमाम बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के नेता अकबर इमाम के बड़े बेटे हैं।अकबर इमाम अब इस दुनिया में नहीं हैं।जहानबाद विधानसभा क्षेत्र से पार्टी ने उन्हें चुनाव भी लड़ाया था मगर जीत नसीब नहीं हुई। इनका गांव जहानबाद ज़िले के काको है।शरज़ील विदेश में पढ़े हैं।सीएए/एनआरसी के दौरान शरज़ील ने विवादास्पद बयान से चर्चे में आ गये।उन पर देशद्रोह का मुक़दमा दर्ज हुआ।बाद में दिल्ली दंगा के भी आरोपी बनाये गये। 28 जनवरी,2020 में उनकी गिरफ़्तारी हुई और फ़िलहाल दिल्ली जेल में बंद हैं।

फरहा उसके चाचा के बेटी यानी चचेरी बहन है।फरहा की इस उपलब्धि ने पूरे जहानाबाद को गौरवान्वित किया है।लम्बे अर्से से राहत तलाश रहे परिवार में पहली बार ख़ुशी लेकर आयी है। वह खासतौर पर महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।उनकी सफलता से उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है।शरजील इमाम के जेल जाने के बाद उनके परिवार के लिए यह पहला खुशी का मौका है।

फरहा की कामयाबी ने उनके परिवार के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है।फरहा निशात ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है।

तालीम की रोशनी से आएगा सवेरा –युनूस खान

- भट्टी समाज विवाह सम्मेलन में विधायक युनूस खान ने कहा पढ़ो, नशा छोड़ो, खर्चा कम करो

- प्रथम सम्मेलन में ग्यारह जोड़ों ने कहा कबूल है

डीडवाना(रॉयल पत्रिका)। इंसान जब जाग जाए तभी सवेरा है, अगर खुद की कामयाबी के साथ साथ परिवार और समाज की उन्नति चाहते हो तो सबसे पहले अपनी फिजूल खर्चों पर रोक लगाएं। भट्टी युवा सेवा संस्थान के बैनर तले मानव सेवा इंडियन फाउंडेशन के सहयोग से निकटवर्ती ग्राम आसकी ढाणी में आयोज्य प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक, पूर्व काबीना मंत्री युनूस खान ने यह शब्द कहे।खान ने कहा कि इस्लाम की सबसे पवित्र किताब कुरआन शरीफ की पहली आयात है इकरा, यानी कि पढ़ो, जब आपका मजहब आपको सबसे पहले पढ़ने का हुकम देता है तो आपकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है कि आप खुद पढ़े और बच्चों को पढाएं।खान ने कहा कि जिस समाज ने अपने फिजूल खर्चों को बंद करके तालीम की तरफ कदम बढ़ा दिए उस कौम के उत्थान को कोई नहीं रोक सकता।खान ने कहा प्रथम विवाह सम्मेलन मात्र एक शुरुआत है इसे वृहद बनाने की जिम्मेदारी जिन कंधो पर है उन्हे मजबूत कीजिए। खान ने कहा अक्सर लोग शादी के लिए ब्याज पर पैसे ले कर आयोजन करते हैं उन्हे रोकना होगा साथ ही शराब जैसी बुराई से निजात दिलाना जरूरी है ।

पढ़ाई के लिए आगे आए मै मदद को तैयार

खान ने कहा कि आस की ढाणी मेरे क्षेत्र का एक ऐसा गांव है जो लाडनूं और डीडवाना दोनों विधान सभाओं में पड़ता है, मै चाहता हूं कि इस गांव के विकास और युवाओं के रोजगार और बच्चों के पढ़ाई के लिए हम सब को मिलकर काम करना है। खान ने कहा किसी गरीब का बच्चा गरीबी के कारण नहीं पढ़ पा रहा है तो मै इस परिवार के लिए हमेशा तैयार मिलूंगा ।

प्रति वर्ष आयोजन हो इसके लिए हम तैयार

आयोजन समिति के अध्यक्ष जाकिर हुसैन ने कहा कि पहले प्रयास में ग्यारह जोड़ों को निकाह हुआ है हम कोशिश करेंगे कि अगले सम्मेलन में यह संख्या बढ़े इसके लिए हमारी पूरी टीम काम करेगी । इस दौरान नायब शहर काजी सादिक उस्मानी साहब ने निकाह पढ़ाया, समारोह में भट्टी समाज की पहली महिला चिकित्सक डॉ जाहिदा खान, कुरैशी समाज के अध्यक्ष हाजी यूसुफ कुरैशी, डॉ सोहन चौधरी, कालू मिस्त्री, पार्षद नासीर मॉर्डन, फारूक कुरैशी, मुत्तलिब कोटवाल, सद्दीक खान, ओम प्रकाश खालिया, देविपाल सिंह, सूरज मेघवाल, उपाध्यक्ष जब्बार खान, कोषाध्यक्ष रुस्तम खान, सचिव आलम अली, रियाज खान लाडनूं, सत्तार खान मकराना सहित भारी संख्या में लोग शामिल हुए ।

मुस्लिम समाज के लोगों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर में मुस्लिम समाज द्वारा जफर अहमद अमीन के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। मुसलमानों ओर उनके धार्मिक स्थलों को सांप्रदायिक निशाना बनाए जा रहे हैं।हाल ही में उत्तर प्रदेश के संभल में मुगलकालीन जामा मस्जिद को कथित मंदिर बनाया जाना बताकर अदालत की आड़ में प्रशासन की देखरेख में पूर्व रचित षड्यंत्र के द्वारा सर्वे की आड़ लेकर 5 मुस्लिम नौजवानों की हत्या कर दी गई जिससे कई लोग घायल हुए मस्जिद में तोड़ फोड़ हुई। सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध ख्वाजा मोईन उद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह पर भी अदालत की आड़ लेकर कूट रचित षड्यंत्र प्रारंभ कर दिया गया है।

समस्त मुस्लिम समाज जिला सवाई माधोपुर की ओर से की गई मांगे

संबंधित न्यायालयों के न्यायधीश जिनकी अदूर दर्शिता तथा न्याय की प्रक्रिया पूर्ण किए बिना सर्वे आदेश देने पर उस न्यायधीश को टर्मिनेट किया जावे।

उत्तर प्रदेश की सरकार को बर्खास्त किया जाए।

उत्तर प्रदेश संभल जिला कलेक्टर व जिला एसपी को सस्पेंड किया जाए तथा उन पर व उपस्थित पुलिस अधिकारियों पर षड्यंत्र द्वारा की गई हत्या का मुकदमा दर्ज किया जावे

मृतकों के आश्रितों को 50 लाख रुपया मुआवजा राशि दी जावे व घायलों को 25 लाख रुपया मुआवजा दिया जावे।

साथ ही राजस्थान की बीजेपी सरकार को अजमेर दरगाह के बारे में संज्ञान लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिया जावे।

(ग़ज़ल)

हम ऐसे तेरे शहर से जाते हुए रोते हैं
जिस तरह बच्चे माँ को दफ़नाते हुए रोते हैं

रंगीं हैं जिस के हाथ मेरे ख़ून की सुर्ख़ी से
हम उस सितमगर को भी तड़पाते हुए रोते हैं

राहे वफ़ा पे चल के सितम क्या क्या न हमने सहे
पूँछों न हम से हम जो बतलाते हुए रोते हैं

ख़त में लिखा सब हाले-दिल फिर उसे यार तक
हम साथ में क़ासिद के भिजवाते हुए रोते हैं

जो छत पे मेरी माह-रुख़ से आ बरसती कभी
उस चाँदनी में खुद को नहलाते हुए रोते हैं

दिल जो रहा एक उम्र सहरा-ए-इश्क़ में मुज़्तरिब
उस दिल को अब हर तौर बहलाते हुए रोते हैं

देता दग़ा हर बार बन के जो अज़ीज़, उसे भी
हम आइना इक बार दिखलाते हुए रोते हैं

स्वरचित : अब्दुल अज़ीज़
8114456065
झालावाड (राज,)

दो शिक्षकों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर पायलटिंग के लिए हुआ

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, राजस्थान के 10 सदस्यो के दल में सवाई माधोपुर जिले के दो शिक्षकों को शामिल किया गया है। ये दोनों शिक्षक जलवायु परिवर्तन पर एनसीईआरटी नई दिल्ली व इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचर एजुकेशन गांधीनगर गुजरात द्वारा तैयार किए मॉड्यूल की समीक्षा कार्यशाला में भाग लेने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर मॉड्यूल की पायलटिंग टेस्टिंग हेतु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।क्यारा ढाणी जीवद में कार्यरत राज्य स्तरीय पुरुस्कृत शिक्षक गजेंद्र सिंह सोलंकी और मखौली के शिक्षक मोहम्मद नासिर दोनों शिक्षकों का चयन शैक्षिक तकनीकी का शिक्षा में प्रयोग एवं शिक्षण में रोचक टीएलएम का उपयोग को लेकर किया गया है। वे गांधीनगर, गुजरात के इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टीचर एजुकेशन में एनसीईआरटी डायरेक्टर सुनीता फरक्या के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से, ये दोनों शिक्षक जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय स्तर की पायलटिंग के लिए तैयार किए जाएंगे। जो अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करके जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को लेकर शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच जागरूकता फैलाने में मदद करेंगे।

30 एजुकेटर ने पैसों के लालच में रातों-रात बदला पाला

- अपने ईमान को गिरवी रख विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किया खिलवाड़

सादिक हिंदुस्तानी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। चैतन्य एकेडमी कोचिंग इंस्टिट्यूट और एजुकेटर पर अनएकेडमी कोचिंग संस्थान ने गंभीर आरोप लगाए है। जयपुर ग्रेटर के मानसरोवर डीसी और निगम की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्या है कोई राजनीतिक दबाव! आखिर क्या है कहानी! यह बात केशव विहार गोपालपुरा बायपास मेन रोड की है। जिसकी एफआईआर जयपुर के महेश नगर पुलिस थाने में दर्ज की गई है। सर्व विदित है कि गोपालपुरा बायपास रोड जयपुर का एजुकेशन हब के रूप में जाना जाता है। जिसमें एजुकेशन के कई संस्थान मौजूद हैं। महेश नगर पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार संस्थान सोर्सिंग हेड सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड अनएकेडमी संस्थान द्वारा शिकायत दर्ज कर श्री चैतन्य एकेडमी कोचिंग इंस्टिट्यूट और 30 एजुकेटर की मिली भगत से अनएकैडमी संस्थान का निजी व व्यवसायिक कॉन्फिडेंशियल डाटा चुराने, विद्यार्थियों को बरगलाकर भ्रमित करने,कोचिंग संस्थान के ब्रांड नेम की ख्याति को धूमिल करने,अनुचित रूप से करोड़ों रुपए प्राप्त करने,कोचिंग संस्थान के निजी दस्तावेज, लैपटॉप, मिनी टैब, ले जाने, तथा एक रात में अचानक मिली भगत करके 30 एजुकेटर का एक साथ जाना, धोखाधड़ी किए जाना, नीट और आईआईटी जैसे कोर्स को अधूरे में छोड़कर पैसों के लालच में आकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना जैसे गंभीर आरोप लगाये गए हैं। आगे बताया गया है कि संस्थान को हानि पहुंचाने एवं स्वयं को संदोष लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए श्री चैतन्य एकेडमी के नाम से हमारी संस्थान से 300 मीटर की दूरी पर ही कोचिंग सेंटर खोल कर एवं 30 लालची, लोभी, बेईमान, विश्वासघाती, एजुकेटर्स को बहला फुसलाकर हमारी अनएकेडमी कोचिंग संस्थान के साथ धोखाधड़ी तथा जालसाजी की गई है।जो एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। यह सब शिकायतें एफआईआर में दर्ज है। शासन से भी गुहार लगाई है कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले, संस्था के साथ अनुबंधित होने के बावजूद भी कायदे कानून को तोड़ने वाले एजुकेटर्स के साथ सख्त कार्यवाही की जाए। दूसरी तरफ यहां पर जो बिल्डिंग है। जिसमें कुछ दिन पहले चैतन्य एकैडमी कोचिंग इंस्टिट्यूट प्रारंभ हुआ है।उसमें अभी निर्माण कार्य चल रहा है। वर्तमान में बिल्डिंग का टेंपरेरी शौचालय रोड पर बना हुआ है। जिसको स्टूडेंट भी उपयोग में ले रहे है।बेसमेंट का कार्य भी अभी चल ही रहा है। जगह-जगह विद्त वायर खुले हुए हैं। बिल्डिंग के टॉप फ्लोर पर भी कार्य चालू है। जिससे स्टूडेंटों में खतरा और भी बड़ा हुआ नजर आ रहा है। आसपास जगह-जगह निर्माण सामग्री डाली हुई है। ऐसे में सवाल बनता है,क्या निर्माण स्वीकृति ली गई या नहीं,अगर ली गई तो क्या नियमानुसार निर्माण किया जा रहा है। क्या सुरक्षा के मापदंडों के साथ खिलवाड़ तो नहीं की जा रही है। जारी निर्माण के चलते इंस्टिट्यूट को बिना बिल्डिंग कंप्लीट हुए चालू करना स्टूडेंट के जीवन और भविष्य के साथ खिलवाड़ होता नजर आ रहा है। ऐसे में कोई दुर्घटना होती है तो कौन जिम्मेदार होगा ? शासन या प्रशासन। इसे कुछ दिन पहले मानसरोवर निगम द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर सीज करने का लेटर भी जारी किया गया था। क्या इंस्टीट्यूट द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत किए या नहीं सवालिया निशान है। या फिर कुछ और कहानी है। यह सर्च का विषय है।अभी हाल ही में कुछ बिल्डिंग,कोचिंग संस्थान और व्यावसायिक संस्थानों के दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर निगम सीजर की लगातार कार्यवाही कर रहा है। दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे के बाद ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉक्टर सौम्या गुर्जर भी लगातार एक्शन मूड़ में है। अब देखते हैं शासन और पुलिस प्रशासन क्या कार्यवाही करता है। जिससे विद्यार्थियों एवं पेरेंट्स में विश्वास पैदा हो। अनएकैडमी कोचिंग संस्थान के संचालकों का कहना है कि ऐसे बेईमान एजुकेटर्स को ऐसी सख्त सजा मिले कि दुबारा कोई किसी संस्थान के साथ ऐसी हरकत न कर सके।

पश्चिमी राजस्थान शिक्षा आंदोलन द्वारा फलोदी में आयोजित हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

फलोदी (रॉयल पत्रिका)। एसआईओ राजस्थान द्वारा चलाए जा रहे "पश्चिमी राजस्थान शिक्षा आंदोलन" की ओर से वर्ष 2024 में दसवीं और बारहवीं कक्षा में 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को 1 दिसंबर, रविवार को दोपहर ढाई बजे, तेलियों का न्याति नोहरा के चौक फलोदी में सम्मानित किया गया।एसआईओ राजस्थान प्रदेश सचिव सलीम अख़्तर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मदरसा इमदादिया में शोबा-ए-तालीम के मुन्तज़िम क़ारी मुहम्मद हनीफ़ साहब रहे और अध्यक्षता एसआईओ राजस्थान के पूर्व प्रदेश सचिव मोहम्मद आज़म खान साहब ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मास्टर अल्लानूर, आमदीन ख़िलजी, क़ारी उमर फ़ारुक़, क़ारी असगर अली, हाजी पीर बख़्श (रिटायर्ड जेएन), जीपी ट्यूशन के डायरेक्टर सद्दाम हुसैन, शिक्षक फ़ैयाज़ अहमद, शिक्षक मुबारक अली, क़ारी मुहम्मद शाकिर, जीपी ट्यूशन के शिक्षक अमित कुमार जी शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मदरसा इमदादिया फलोदी के छात्र मुहम्मद युनुस ने तिलावत-ए-कुरआन से की। एसआईओ राजस्थान के प्रदेश सचिव सलीम अख़्तर ने स्वागत भाषण देते हुए एस आई ओ राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान शिक्षा आंदोलन का परिचय करवाते आंदोल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में साक्षरता दर की कमी को देखते हुए एस आई ओ राजस्थान ने 2019 में यह आंदोलन शुरू किया है। उन्होंने बताया कि "पश्चिमी राजस्थान शिक्षा आंदोलन" के कुछ मुख्य उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान में शिक्षा की अहमियत का प्रचार और प्रसार करना, शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना, पश्चिमी राजस्थान में साक्षरता दर में बढ़ोतरी लाना, पश्चिमी राजस्थान के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करना, पश्चिमी राजस्थान के छात्र-छात्राओं में शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी परवान चढ़ाना, स्कूल में ज़्यादा से ज़्यादा छात्र-छात्राओं के नामांकन को बढ़ाना, ड्रॉपआउट छात्र-छात्राओं को स्कूल भेजने पर प्रोत्साहित करना और शिक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को गाइड करना है। मुख्य अतिथि के रूप में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए क़ारी मुहम्मद हनीफ़ साहब ने कहा कि आज मैं आप सभी के बीच खड़े होकर बेहद खुशी महसूस कर रहा हूँ और पश्चिमी राजस्थान शिक्षा आंदोलन की टीम को बहुत बहुत मुबारकबाद देता हूं कि दूर दराज़ से यहां आकर हम लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का काम कर रहे हैं। और इस कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है, जिस पर मैं आपको बधाई देता हूँ। आप सभी ने साबित कर दिया है कि आप प्रतिभाशाली हैं और आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।आपने जो हासिल किया है, वह बहुत बड़ी बात है। आपने जो सीखा है, वह आपके भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। आपके सामने बहुत सारे अवसर हैं। आप चाहें तो किसी भी क्षेत्र में जा सकते हैं। आप डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक या कुछ ओर भी बन सकते हैं लेकिन अपने जीवन को नैतिकता के दायरे में गुजारना भी ज़रूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आज़म खान ने समाज के नव निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में नैतिकता पर बल देते हुए अच्छे विद्यार्थी के साथ साथ ईश्वर द्वारा मिले एक ही जीवन को एक अच्छे इन्सान के रूप में गुजारने की बात कही। उन्होंने स्टूडेंट्स से माता पिता के प्रति उनके दायित्वों का निर्वहन करने का भी आव्हान किया।

कार्यक्रम में सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया और क़ारी असगर अली ने स्वागत भाषण पेश किया और समारोह में मास्टर अल्लानूर, क़ारी उमर फ़ारुक़ ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। 10वीं और 12वीं में टॉप थ्री स्थान पर रहने वाले स्टूडेंट्स को गोल्ड, सिल्वर और कांस्य पदक देकर भी सम्मानित किया गया। फलोदी क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों ने इस कार्यक्रम में पधारकर मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। आख़िर में इसरार अहमद सदस्य एस आई ओ ने दुआइयां नज़्म पढ़कर प्रतिभा सम्मान समारोह का समापन किया। प्रतिभा सम्मान समारोह के करवाने में जीपी ट्यूशन फलोदी के डायरेक्टर सद्दाम हुसैन साहब का विशेष सहयोग रहा। सम्मान समारोह में मौजूद सभी लोगों का पश्चिमी राजस्थान शिक्षा आंदोलन के कन्वीनर सलीम अख़्तर ने सभी अतिथियों और छात्र छात्राओं को धन्यवाद व्यक्त किया।

होटल फैडरेशन के जिला अध्यक्ष ने मुख्य वन संरक्षक को ज्ञापन सौंपा

सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका)। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान सवाई माधोपुर के जिला अध्यक्ष काजी अहतशामुद्दीन द्वारा मुख्य वन सरंक्षक अनूप के आर रणथम्भोर नेशनल पार्क सवाई माधोपुर को ज्ञापन प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होने रणथम्भोर नेशनल पार्क में पर्यटको की संख्या में हो रही बढ़ोतरी ओर आने वाले पर्यटकों को सफारी नहीं मिलने के कारण रणथम्भौर में शीघ्र अतिशीघ्र जोन नं. 11 तथा जोन नं. 12 दो ओर जोन विकसित करके उनमें पर्यटको के लिए सफारी चालू करवाई जाने तथा रणथम्भोर नेशनल पार्क सवाई माधोपुर के निकट ही आमली नया टाइगर पार्क विकसित किये जाने की पूर्व से चल रही योजना को भी गति प्रदान करवाकर शीघ्र ही इस योजना को पूर्ण करवाए जाने की मांग की। जिससे सवाई माधोपुर आने वाले पर्यटकों को सफारी सुलभ होगी और यहाँ के पर्यटन व्यवसाय में बढ़ोतरी होगी और पर्यटन से जुडे लोगों को और रोजगार के अवसर मिलेगा।

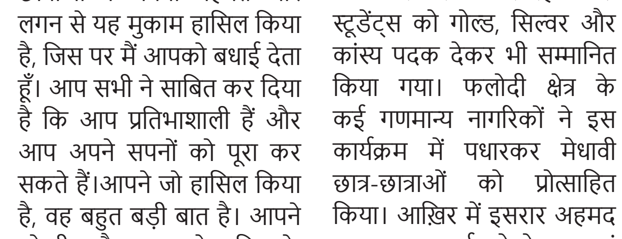

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

Scan Here

तालीमी कांफ्रेंस: बच्चों की उच्च शिक्षा और ड्रॉपआउट पर चर्चा

-मुस्लिम समाज के विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के युग में खुद को स्थापित करना होगा- अशफाक हुसैन
-कामयाबी केवल सतत परिश्रम से हासिल होती है -अभिषेक सिद्ध
-शिक्षा की पहुंच से दूर कच्ची बस्तियों में शिक्षा की चुनौतियों का सामना करेगा - कारी इस्हाक

जयपुर। जयपुर के शास्त्री नगर स्थित साइंस पार्क ऑडिटोरियम में शनिवार 30 नवम्बर को मदरसा जामिया तय्यबा मेमोरियल स्कूल, नाहरी का नाका, जयपुर के बैनर तले तालीमी कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई आरएएस और आईएएस अधिकारी, शिक्षाविद, और विद्वान शामिल हुए। सम्मेलन में मुस्लिम समाज की शिक्षा और विकास पर गहन चर्चा की गई। कांफ्रेंस की अध्यक्षता प्रमुख शिक्षाविद सैय्यद अनवर शाह और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अशफाक हुसैन ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जयपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध रहे। साथ ही, हाल ही में आरजेएस परीक्षा में चयनित हुई सना चौहान को सम्मानित किया गया। कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अशफाक हुसैन ने मुस्लिम समाज के बच्चे बच्चियों को उच्च शिक्षा हासिल करने एवं इनके अभिभावकों के साथ समाज के लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की बात कही। कॉन्फ्रेंस में सभी अतिथियों ने शिक्षा की महत्वपूर्णता पर जोर डाला। मुस्लिम समाज के बच्चे बच्चियों के ड्रॉपआउट पर चिंता व्यक्त की। जयपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने अपने संबोधन में बताया कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण, सतत परिश्रम, और आत्मविश्वास जरूरी है। उन्होंने थॉमस अल्वा एडिसन का उदाहरण देते हुए कहा कि 99 बार असफल होने के बावजूद उन्होंने प्रयास जारी रखा और बल्ब का आविष्कार किया। कार्यक्रम में मदरसा जामिया के होनहार छात्रों का सम्मान भी किया गया। मदरसा के संचालक कारी मोहम्मद इस्हाक ने आगंतुकों और उपस्थित अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन शाहनवाज लाला ने किया। इस अवसर पर जनमानस न्यूज़ के संपादक डॉ। अब्दुल रहीम ने शिक्षा को समाज सुधार का सबसे बड़ा माध्यम बताते हुए तालीम को बढ़ावा देने की बात कही।कांफ्रेंस में समाज के कई प्रबुद्धजन जैसे नईम रब्बानी, शहजाद खान, डॉ। तनवीर, रजिया सुल्ताना, अमीन कायमखानी, मसूद अख्तर, और रियाज मोहम्मद आदि ने भी भाग लिया।

रामगंज पुलिस बाइक से पटाखे की आवाज निकालने वाले चालकों के खिलाफ कब करेगी कार्यवाई ?

- मानसरोवर पुलिस ने स्कूल, अस्पताल और भीड़ वाली जगहों पर ऐसे बाइक चालकों पर कार्यवाही करके 100 अधिक साइलेंसर जब्त किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानसरोवर पुलिस ने कुछ दिन पहले स्कूल, अस्पताल, आबादी और भीड़वाली जगहों पर साइलेंसर पटाखे की आवाज निकालने वाले बाइक चालकों के खिलाफ अभियान शुरू किया था। अभियान के तहत पुलिस ने 100 से अधिक बाइक चालकों के खिलाफ कार्यवाई कर साइलेंसर को बाइक से निकालकर जब्त कर लिया था। इस तरह के साइलेंसर बनाने वालों को भी चिन्हित कर एमवी एक्ट में कार्यवाई शुरू क रदी थी। यह कार्यवाई डीसीपी साउथ दिगंत आनंद के निर्देनुसार की गई। मानसरोवर क्षेत्र में पुलिस को शिकायत मिल रही थी कि साइलेंट जोंन में कुछ लोग रात-दिन धूमकर बाइक से शोर करते हैं। सूचना पर पुलिस टीमों को नाकेबंदी में विशेष बाईक पर ध्यान देने के निर्देष दिए। इस पर पिछले दो माह में पुलिस ने 100 से अधिक बाइकों के खिलाफ कर्व्यवाही करते हुए उनके साइलेंसर निकाले। बाइक चालक के खिलाफ एमवी एक्ट में मामला दर्ज भी किया गया।

मॉडिफाई साइलेंसर लगाने वाली दुकाने होगीं चिहिंत-

बाइक मॉडिफाइड करने वाले लोग इस तरह का साइलेंसर अवैध रूप से फिट करते है। इस पर पुलिस टीम ने ऐसी दुकानों को चिह्नित कर उनसे समझाइश की है अगर फिर भी पुलिस टीम को इन दुकानों के बारे में शिकायत मिली तो संचालकों के खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा। जानकारी में आया है कि शरारती लोग अपनी बाइक में इस विशेष प्रकार के साइलेंसर को लगाने के लिए अधिक पैसा देते हैं। पैसा मिलने के कारण कुछ व्यापारी पंजाब से या कुछ जयपुर में अलग-अलग जगहों पर इस साइलेंसर को बनाते है।जिनकी जानकारी पुलिस टीम द्वारा जुटाई जा रही है। महेश नगर 80 फीट और 60 फीट रोड पर साइलेंसर लगी बाइक की अक्सर शिकायतें मिलती थी, जो साइलेंसर जोन, कॉलोनी व स्कूल के बाहर इन बाइक का इस्तेमाल करके पटाखे का शोर करते हैं। महिलाओं व युवतियों के आसपास से निकलने पर पटाखे की आवाज एकाएक आने से डर जाती हैं।

रामगंज क्षेत्र में पटाखे वाली बाइको का आंतक, पुलिस कब करेगी कार्यवाई

देर शाम होते ही तेज आवाज वाली बाइको एवं पटाखे की आवाज करने वाली बुलैट मोटरसाईकिलों का शोर सुनाई देने लगता है। रामगंज क्षेत्र में देर रात तक पान की दुकान, बीड़ी सिगरेट एवं गुटका और चाय की दुकानों की बड़ी संख्या हैं।

इनमें से कुछ दुकानों पर गाँजा, अफीम एवं अन्य नशे की वस्तुओं मिलती है। यह क्षेत्र घनी आबादी का क्षेत्र है लेकिन शोर मचाने वाले बाइक चालकों ने क्षेत्र में आंतक मचा रखा है। ज्यादातार युवा जो नशेड़ी प्रवृति के हैं चाय,पान,बीड़ी सिगरेट गांजे की तलाश में देर रात तक ऐसी बाइकों पर घूमते रहते है। इन बाइकों की कानफोडू आवाज के कारण रात 9-12 बजे तक पढ़ने वाले छात्र-छात्रांए असहज महसुस करते है और पढाई नही कर पाते है। घनी आबादी में इन तेज आवाज वाली बाइकों के कारण बड़ी संख्या में लोगों की नींद खराब हो जाती है। रामगंज क्षेत्र में जागरूकता की कमी के चलते इनकी शिकायतें पुलिस थानों और पुलिस अधिकारियों तक नहीं पहुंच पाती है। इसलिए ऐसे बाइक चालकों के होसले बुलंद है। पुलिस की जानकारी में आने के बाद इन पर कार्यवाही होती है या नही लेकिन रामगंज एवं चारदीवारी क्षेत्र में कानफोडू साइलेंसर लगी बाइकों का बड़ी समस्या है। इसके कारण पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की पढ़ाई तो खराब हो ही रही है साथ में लोगों का नींद खराब होने के कारण चिड़चिड़ेपन की बीमारी भी बढ़ रही है।

हेरिटेज निगम की पशु प्रबंधन शाखा की कार्रवाई

- सब्जी मंडी के बीच में बना रहे थे अवैध पशु डेयरी, निगम ने डेयरी हटा, गोवंश को हिंगोनिया गौशाला में पहुंचाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सांगानेरी गेट सब्जी मंडी के बीच में बन रही अवैध पशु डेयरी को हटा दिया। इस दौरान भारी विरोध के बावजूद निगम अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए डेयरी में बंधी गोवंश को रेस्क्यू कर हिंगोनिया गौशाला में पहुंचा दिया। कार्रवाई के संबंध में हेरिटेज निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मयंक लाम्बा ने बताया कि हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर शहर में अवैध पशु डेयरी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को शाखा को सूचना मिली कि सांगानेरी गेट के पास सब्जी मंडी परिसर ने भी अस्थाई निर्माण कर अवैध पशु डेयरी खोली जा रही है। इस पर पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त सीमा शर्मा के नेतृत्व में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मयंक लाम्बा ने कार्रवाई कर अस्थाई पशु डेयरी में बंधी गोवंश को पकड़ हिंगोनिया गौशाला में पहुंचा दिया। इस दौरान डेयरी संचालकों ने भारी विरोध जताया और गोवंश के ले जाने से रोकने लगे। कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन ने मामले को शांत करा गौ वंश का रेस्क्यू कराया। डॉ मयंक लाम्बा ने बताया कि परकोटे और अन्य क्षेत्रों में टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। आमजन और वाहन चालकों को परेशानी नहीं आए, इसके लिए निरीक्षण कर डेयरी संचालको को पाबंद भी किया जा रहा है।

हेरिटेज निगम: भिक्षावृति कर रहे 60 से अधिक लोगों का कराया रिहैबिलिटेशन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। हेरिटेज निगम ने सड़क पर भिक्षावृत्ति कर जीवनयापन कर रहे 60 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर रिहिबिलेशन सेंटर में भिजवाया है। इस संबंध में हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर हेरिटेज निगम की ओर से सड़क पर भिक्षावृत्ति करने वालों को रोहिबिलिटेट करने के लिए 24 नवंबर से सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर अभियान चलाया जा रहा है, जिसके क्रम में सड़क पार भिक्षा मांग रहे 60 से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया। हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने सभी शहरवासियों से अपील भी की सड़क पर भिक्षा मांगने वाले लोगों को भिक्षा नहीं देवें। उन्हें सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित भिक्षावृति पुनर्वास रिहैबिलिटेशन सेंटर पर पहुंचाए, जिससे कि वे अपना जीवन स्वाभिमान से जी सकें। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि अभियान में सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान, मेरी पहल संस्था, सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान और मानव सेवा संस्था का सहयोग रहा।

अधिक ट्रांसमिशन लोड वाले क्षेत्रों के लिए तैयार करें, ट्रिपिंग रहित विद्युत आपूर्ति का एक्शन प्लान -चेयरमैन डिस्कॉम्स

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। डिस्कॉम्स चेयरमैन आरती डोगरा ने शुक्रवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अजमेर एवं जोधपुर वितरण निगम के प्रबंध निदेशकों के साथ रबी के पीक सीजन में अधिक ट्रांसमिशन लोड वाले क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति के एक्शन प्लान को लेकर समीक्षा की। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने इस दौरान प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक श्री नथमल डिडेल के साथ जैसलमेर, बाडमेर एवं फलौदी के सीमावर्ती क्षेत्र तथा उदयपुर, भरतपुर, हिंडौन एवं डीग में प्रसारण क्षमता सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जीएसएस निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने पर भी चर्चा की। उन्होंने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आपसी समन्वय से निर्बाध विद्युत आपूर्ति को बनाए रखा जाए तथा जीएसएस निर्माण कार्यों की गति बढ़ाई जाए। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने इस दौरान वितरण निगमों के अधीक्षण अभियंताओं को भी नियमित सप्लाई मेंटेन रखने के निर्देश दिए। बैठक में प्रसारण निगम द्वारा बताया गया कि हिंडौन में ओवरलोड सिस्टम की समस्या से निजात पाने के लिए 500 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर 5 दिसम्बर तक प्राप्त हो जाएगा। करीब तीन सप्ताह में इसके चार्ज होने के बाद दिसम्बर माह के अंत तक वहां प्रसारण लाइनों के ओवरलोड होने से निजात मिलेगी। इसके साथ ही छोंकरवाडा-भुसावर 132 केवी जीएसएस लाइन के सुदृढ़ होने का काम भी अंतिम चरण में है। जिससे दिसम्बर माह के अंत तक बयाना, हिंडौन, भुसावर, वैर आदि में आपूर्ति को बेहतर किया जा सकेगा। बैठक में जोधपुर डिस्कॉम एमडी डॉ. भंवरलाल, अजमेर डिस्कॉम एमडी श्री केपी वर्मा, वितरण निगमों के निदेशक (तकनीकी), प्रसारण निगम के निदेशक ऑपरेशंस एवं निदेशक तकनीकी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एपीसीआर के राष्ट्रीय सचिव नदीम खान की गिरफ्तारी के प्रयास की निंदा

दिल्ली(रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) ने अपनी राष्ट्रीय सचिव नदीम खान के खिलाफ अवैध उत्पीड़न और गिरफ्तारी के प्रयास की और दिल्ली पुलिस द्वारा बिना पूर्व सूचना या वैध प्रक्रिया के कार्यालय में की गई छापेमारी की कड़ी निंदा की है। मामला ये है कि नदीम खान का एक वीडियो जानबूझ कर दुर्भावना के तहत वायरल किया गया। इस वीडियो में एक प्रदर्शनी में हेट क्राइम और नफरती भाषणों की वजह से प्रताड़ित होने वालों की घटनाओं को दर्शाया गया था। मगर उस वीडियो को दक्षिणपंथी समूह द्वारा द्वेष फ़ैलाने वाला बता कर लगातार प्रशासन और पुलिस को टैग करके करवाई करने का दबाव बनाया गया था। सोशल मीडिया के उस कैंपेन का नतीजा ये रहा कि 30 नवंबर, 2024 शाम 5 बजे दिल्ली के शाहीन बाग पुलिस स्टेशन के एसएचओ समेत चार पुलिसकर्मी बेंगलुरु में नदीम खान के भाई के निजी आवास पर पहुंचे, जहां पर नदीम खान अपने परिवार के साथ मौजूद थे। वहां पर बिना किसी वारंट या नोटिस के उन्हें जबरन हिरासत में लेने का प्रयास किया गया। शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक वो पुलिस कर्मी घर की पहली मंजिल के हॉल में बैठे रहे और नदीम को 'अनौपचारिक हिरासत' में 'स्वेच्छा से' उनके साथ दिल्ली आने के लिए मजबूर करते रहे। यह सब कथित तौर पर उसी दोपहर दिल्ली में शाहीन बाग पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर (0280/2024,) में जांच के लिए किया गया था। ज्ञात रहे ये एफआईआर शाहीन बाग दिल्ली में 30 नवंबर को ही दोपहर 12:48 बजे दर्ज की गई और एकदम फुर्ती दिखाते हुए संबंधित पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी शाम 5 बजे नदीम के भाई के घर बेंगलुरु भी पहुंच गए। पुलिसकर्मी बहुत जल्दबाजी में बिना धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किए या गिरफ्तारी वारंट के रूप में कोई अधिकार लिए बिना उनके बेंगलुरु के घर आए और नदीम खान पर अपने साथ दिल्ली चलने के लिए लगातार दबाव बनाते रहे। नदीम खान और उनके परिवार को 5.45 घंटे तक परेशान करने के बाद रात 10.45 बजे अधिकारियों ने बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत एक नोटिस चिपकाया, जिसमें उनको छह घंटे के भीतर शाहीन बाग पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए कहा। नदीम खान के खिलाफ धारा 196, 353 (2) और 61 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बावजूद शाहीन बाग थाने के एसएचओ और अन्य पुलिस अधिकारियों ने नदीम खान और उनके परिवार के सदस्यों को आपराधिक रूप से धमकाना जारी रखा, बिना किसी उचित प्रक्रिया के उन्हें दिल्ली आने के लिए मजबूर करते रहे। नदीम खान एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) के राष्ट्रीय महासचिव हैं, जो मानवाधिकारों के लिए काम करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर प्रसिद्ध संगठन है। याद रखिये इस एफआईआर से पहले 29 नवंबर, 2024 को लगभग 9 बजे, 20-25 अधिकारी बिना किसी नोटिस के, बिना किसी एफआईआर की कॉपी के, बिना किसी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नंबरों के माध्यम से संपर्क करने या अपने कार्यों के लिए कानूनी औचित्य प्रदान किए बिना दिल्ली में एपीसीआर के ऑफिस पहुंचे थे। चूंकि रात में कार्यालय बंद था, इसलिए उन्होंने सुरक्षा गार्ड से एपीसीआर के राष्ट्रीय सचिव नदीम खान और संगठन के अन्य सदस्यों और कर्मचारियों के बारे में पूछताछ की। एफआईआर होने से पहले ही 20 पुलिस अधिकारियों का एपीसीआर कार्यालय में आना उनकी दुर्भावनापूर्ण मंशा को दर्शाने के लिए काफी है। 30 नवंबर की सुबह कुछ पुलिस अधिकारी वापस लौटे और एपीसीआर के पदाधिकारियों के बारे में पूछताछ की। जब इस पूछताछ के आधार के बारे में पूछा गया तो शाहीन बाग थाने के हेड कांस्टेबल योगेश ने कार्यालय में मौजूद वकीलों को जानकारी देने से इनकार कर दिया। हेड कांस्टेबल ने वकीलों के साथ दुर्व्यवहार भी किया और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। एपीसीआर का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील भी पुलिस की छापेमारी के कारणों के बारे में पूछने के लिए शाहीन बाग थाने गए, लेकिन उन्हें कोई उचित जवाब नहीं मिला। इस मामले में प्रसिद्ध मानवधिकार संगठन पीयूसीएल ने दिल्ली पुलिस द्वारा नदीम खान को परेशान करने, डराने-धमकाने और अवैध हिरासत में रखने की निंदा की है। उन्होंने कहा है हम इस जांच के तरीके से भी बेहद चिंतित हैं, जहां स्पष्ट रूप से एक दूषित सोशल मीडिया अभियान के जरिए पुलिस और राज्य के अधिकारियों पर नागरिक स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए लड़ने वालों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने का दबाव बनाने की कोशिश की गई है।

नेशनल ट्रांसप्लांट गेम्स-2024 का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नर्मदा किडनी फाउंडेशन मुंबई पिछले 17 वर्षों से किडनी ट्रांसप्लांट के मरीजों के लिए हर साल गेम्स मुंबई में आयोजित करवाता है। इसमे देश भर से किडनी ट्रांसप्लांट के मरीज भाग लेते हैं इनमें चार ऐज ग्रुप होते हैं जिनमें 20 साल से कम आयु वालों का एक ग्रुप, 21-40 साल का दूसरा ग्रुप, एवं 41 -60 साल वालों का एक ग्रुप होता है एवं चौथा 60 से अधिक आयु वालों का एक ग्रुप होता है होता है। टूर्नामेंट में एथलेटिक और इंडोर गेम्स करवाते हैं जिसमें एथलीट, कैरम बोर्ड, टेबल टैनिस, बैडमिंटन, शतरंज आदि गेम्स के लिए लेडीज और जेंट्स, किडनी प्राप्तकर्ता व किडनी डोनर का अलग-अलग आयोजन होता है। ये टूर्नामेंट हर साल 1 दिसंबर को आयोजित किया जाता है। एडवोकेट मुजाहिद नकवी ने बताया कि मैं पिछले 7 साल से हर बार इसमें भाग ले रहा हूं। पिछले साल भी 50 मीटर की रेस में भाग लिया था और गोल्ड हासिल किया था। साथ ही इंटरनेशनल टूर्नामेंट में दो बार थाईलैंड में हिस्सा लेकर मेडल जीता है।

"बैटल ऑन व्हील्स" पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम हुआ

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक सप्ताह लंबे समारोह के तहत लेखक खालिद अख्तर की पुस्तक "बैटल ऑन व्हील्स" का विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम रविवार, 1 दिसंबर, 2024 को सुबह 11.00 बजे से पिंक कैफे में आयोजित किया गया था। यह पुस्तक दिव्यांगजनों के जीवन के संघर्षों, चुनौतियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमाशंकर शर्मा राज्य आयुक्त विशेष योग्यजन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड आईएएस अधिकारी ए आर खान ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पीयूसीएल की राष्ट्रीय अध्यक्षा कविता श्रीवास्तव, इंजीनियर हर्षाधिपति और साहित्यकार रिज़वान एजाज़ी मौजूद रहे। पुस्तक के लेखक खालिद अख्तर ने सभी अतिथियों और पाठकों का स्वागत करते हुए पुस्तक के बारे में परिचय करवाया। पुस्तक की प्रस्तावना लिखने वाली मानवाधिकार कार्यकर्ता कविता श्रीवास्तव ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक दिव्यागजनों के संघर्ष और उनकी सफलता की कहानियों को बयां करती है। इस अवसर पर इंजिनियर हर्षाधिपति ने भी अपने संघर्ष की कहानी को सबके साथ साझा किया। साहित्यकार रिज़वान एजाज़ी ने "बैटल ऑन व्हील्स" पुस्तक का हिन्दी संस्करण हिलव्यू पब्लिकेशन से पब्लिश करने की घोषणा की। मुख्य अतिथि उमाशंकर शर्मा ने सभी लोगों को अपने संघर्ष की कहानी सुनाते हुए बताया कि उन्होंने एक एक्सीडेंट में दिव्यांग होने बाद किस तरह से स्टेट कमिश्नर बनने तक का सफ़र तय किया। उन्होंने किसी भी दिव्यांग को कोई समस्या होने पर राजस्थान विशेष योग्यजन आयोग में संपर्क करने का आग्रह करते हुए विश्वास दिलाया कि किसी भी तरह की शिकायत पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ए आर खान ने अपने अनुभव साझा करते हुए सभी से दिव्यांग जनों के प्रति अपनी सोच को बदलने की बात कही। उन्होंने सभी से यह आग्रह किया कि दिव्यागजनों के लिए किसी भी तरह के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग ना करें। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ रहीम ख़ान ने किया। कार्यक्रम में डॉ विनीता, आकाश अरोड़ा, चेतन शर्मा, पीयूष बरडिया, प्रदीप अग्रवाल, बसंत हरियाणा, भंवर मेघवंशी, नईम रब्बानी, कारी इशहाक, फरहान इसराइली, दिनेश चौधरी, शरद त्रिपाठी, शाहनवाज़ लाला, मदन पालीवाल, अशोक बाफना,शाइस्ता महजबीन आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने लिया दूसरा संकल्प

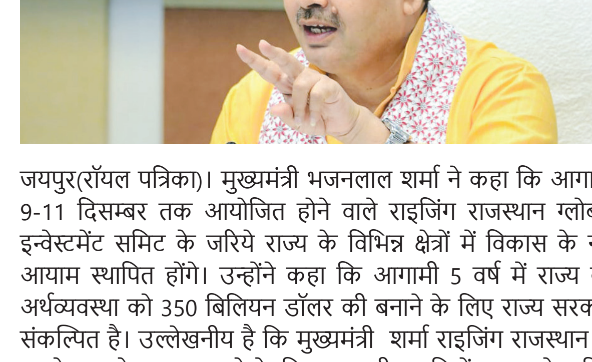

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 9-11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के जरिये राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नये आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने कहा कि आगामी 5 वर्ष में राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर की बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा राइजिंग राजस्थान के आयोजन को सफल बनाने के लिए आगामी 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नया संकल्प लेंगे। शर्मा ने शुक्रवार को दूसरा संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में हमारे परंपरागत हस्तशिल्प दुनिया को हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचय देंगे और प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति को प्रदर्शित करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रसिद्ध थेवा कला, मीनाकारी, ब्लू पॉट्री, बंधेज सहित विभिन्न हस्तशिल्प देश-दुनिया में विशेष पहचान रखते हैं। राज्य सरकार राज्य के हस्तशिल्प कारीगरों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने तथा हस्तशिल्प कला को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन से राज्य में औद्योगिक क्षेत्र को नई उंचाई मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश दुनिया में निवेशकों का समिट के प्रति रूझान ये दर्शाता है कि राजस्थान विश्व में निवेश के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में तेजी से ऊभर रहा है।

12 दिसम्बर को होगा 'रन फॉर विकसित राजस्थान-2024' 'रवि-राज' का आयोजन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा आगामी 12 दिसम्बर को जयपुर में रन फॉर विकसित राजस्थान-2024 'रवि-राज' का आयोजन किया जाएगा। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि अमर जवान ज्योति से प्रात: 8:00 बजे प्रारम्भ होने वाली दौड़ में करीब 25 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

ईवीएम हैक की जा सकती है ?...

महाराष्ट्र में भाजपा की पूर्व सहयोगी आरएसपी के प्रमुख महादेव जानकर ने आरोप लगाया है कि ईवीएम हैक की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मैं भी इंजीनियर हूँ। लोकतंत्र को जिंदा रखना है, तो मतपत्रों का इस्तेमाल करना होगा। कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ईवीएम हैकिंग और चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। चुनाव आयोग से करीब - करीब सभी विपक्षी पार्टियों एवं बड़ी संख्या में इंजीनियरों ने मांग की है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए चुनाव मतपत्रों से करवाएं जाएं। लोकतंत्र में चुनाव सत्ता की कुर्सी तक जाने का रास्ता है। निष्पक्ष चुनाव मजबूत लोकतंत्र की निशानी है। भारत में करीब एक दशक से ईवीएम से चुनाव पर अंगुली उठाई जा रही है। विपक्षी पार्टियां और नेता ईवीएम से चुनाव के विरोध में सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं। भारत का लोकतंत्र दुनिया में सबसे बड़ा एवं स्पष्ट लोकतंत्र माना जाता है लेकिन वर्तमान में चुनावों में गड़बड़ी एवं चुनाव प्रभावित करने की शिकायतें बड़े पैमाने पर नजर आने लगी हैं। महाराष्ट्र के एक उम्मीदवार ने शिकायत की कि जिस बूथ पर उसका परिवार रहता था जिसमें उसकी पत्नी, मां व भाई रहते थे लेकिन उसको मात्र एक वोट ही प्राप्त हुआ। ऐसी शिकायतें ईवीएम से चुनाव पर शक पैदा कर रही है। कई बूथों पर और विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग के समय मतदान संख्या और मतगणना के समय की संख्या में अंतर पाया गया। देश के बुद्धिजीवी सोचने पर मजबूर है कि क्या ईवीएम से चुनाव सत्ताधारी पार्टी के लिए फायदेमंद है। चुनाव आयोग विपक्षी नेताओं की शिकायतों पर क्यों ध्यान नही देता है? क्या ईवीएम से चुनाव लोकतंत्र और जनता के साथ धोखा बनता जा रहा है? जिन देशो मे ईवीएम बनाई गई थी, शुरुआत मे वहां ईवीएम से ही चुनाव करवायें गए लेकिन जैसे ही ईवीएम में शिकायतें आने लगी उन देशो की सरकारों, उच्चन्यायालयों ने ईवीएम को यह कहकर बैन कर दिया कि ईवीएम देश की जनता और लोकतंत्र के साथ धोखा है। मजबूत लोकतंत्र के लिए मतपत्रों से ही चुनाव होने चाहिए। यही कारण है कि ज्यादातर विकसित देशो में मतपत्रों से चुनाव प्रक्रिया पूरी होती है। भारत में चुनाव आयोग ईवीएम पर आरोप लगाने वालों को कभी संतुष्ट नही कर पाता है। हमेशा चुनाव आयोग शिकायतों की लीपापोती करता रहता है। जबकि चुनाव आयोग को चाहिए कि देश के हैकरों , इंजीनियरों को 5-10 ईवीएम दे देनी चाहिए और फिर ईवीएम हैकिंग की खुली प्रतियोगिता आयोजित करनी चाहिए। लेकिन चुनाव आयोग ऐसा नही करता है। विपक्षी नेता यही आरोप लगा रहे है कि वर्तमान सरकार ने ईवीएम में प्रोग्रामिंग कर रखी है जिससे मन चाहे परिणाम निकाले जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि देश की जनता सरकार से नाराज है, युवाओं में बेरोजगारी है एवं देश में महंगाई है फिर भी फिर वर्तमान सरकार चुनाव में ईवीएम से जीत रही है। विपक्षी नेताओं के बयानों से लगने लगा है कि आने वाले समय में ईवीएम से चुनाव करवाने के विरोध में बड़ा आन्दोलन खड़ा किया जा सकता है। वैसे भी देश में लोकतंत्र की मजबूती एवं जनता का विश्वास मतपत्रों से चुनाव करवाने से ही कायम हो सकता है, क्योंकि ईवीएम पर देश की जनता अब शक करने लगी है।

लोकतंत्र और राजनीतिक भागीदारी: भारतीय मुसलमानों के लिए विकास का सबसे छोटा रास्ता

भारत विविध संस्कृतियों, धर्मों और समुदायों की भूमि है, जिनमें से प्रत्येक इसके समृद्ध सामाजिक ताने-बाने में योगदान देता है। इन समुदायों में, भारतीय मुसलमान सबसे बड़े अल्पसंख्यकों में से एक हैं, जो देश की आबादी का लगभग 14% हैं। अपनी महत्वपूर्ण संख्या के बावजूद, भारतीय मुसलमानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खासकर सामाजिक-आर्थिक विकास और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में। हालाँकि ये चुनौतियाँ ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक कारकों में गहराई से निहित हैं, राजनीतिक भागीदारी, विशेष रूप से लोकतांत्रिक चैनलों के माध्यम से, उनके सशक्तिकरण और विकास की दिशा में सबसे छोटा और सबसे प्रभावी मार्ग प्रदान करती है। ऐतिहासिक रूप से, भारत में मुसलमानों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व एक प्रमुख मुद्दा रहा है। देश के लोकतांत्रिक लोकाचार के बावजूद, मुसलमान अक्सर खुद को राजनीतिक चर्चा में हाशिए पर पाते हैं। यह हाशियाकरण आर्थिक असमानताओं, शैक्षिक अंतरालों और सामाजिक बहिष्कार से और बढ़ गया है। हालाँकि, लोकतंत्र परिवर्तन के लिए एक तंत्र प्रदान करता है, क्योंकि यह ऐसी नीतियों के निर्माण की अनुमति देता है जो इन मुद्दों का समाधान कर सकती हैं। राजनीतिक भागीदारी भारत में मुसलमानों के विकास को प्रभावित करने वाले सबसे प्रत्यक्ष तरीकों में से एक है सरकार के सभी स्तरों पर बेहतर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना। जब मुसलमानों के लिए चिंता व्यक्त करने वाले नेता स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय कार्यालयों के लिए चुने जाते हैं, तो वे उन नीतियों की वकालत कर सकते हैं जो मुस्लिम समुदाय के भीतर गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल जैसे विशिष्ट मुद्दों का समाधान करती हैं। मुस्लिम आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जागरूकता की कमी या व्यवस्था में विश्वास की कमी के कारण राजनीतिक प्रक्रिया से अलग रहता है। मतदाताओं को उनके अधिकारों, मतदान के महत्व और विभिन्न राजनीतिक विकल्पों के निहितार्थ के बारे में शिक्षित करने से भागीदारी बढ़ाने में मदद मिल सकती है। जमीनी स्तर के संगठन और नागरिक समाज समूह मुसलमानों को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुस्लिम समुदाय के भीतर से ऐसे नेताओं को प्रोत्साहित करना और विकसित करना जो राजनीतिक क्षेत्र में उनके हितों का प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व कर सकें, महत्वपूर्ण है। नए नेताओं को बढ़ावा देकर, जो मुसलमानों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों दोनों से अच्छी तरह वाकिफ हैं, समुदाय को अधिक प्रामाणिक और प्रभावी प्रतिनिधित्व मिल सकता है। धार्मिक और सांस्कृतिक भारतीय मुसलमानों का सामाजिक-आर्थिक विकास उनकी राजनीतिक भागीदारी से गहराई से जुड़ा हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, नौकरियों और अन्य बुनियादी सेवाओं तक पहुंच अक्सर स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर चुने गए राजनीतिक विकल्पों पर निर्भर करती है। मुसलमानों के लिए, ऐसे उम्मीदवारों को वोट देना जो समावेशी विकास को प्राथमिकता देते हैं और प्रणालीगत असमानताओं को दूर करते हैं, बेहतर अवसर ला सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एक सक्रिय मुस्लिम मतदाता यह सुनिश्चित कर सकता है कि सरकारी संसाधनों के आवंटन के दौरान समुदाय की अनदेखी न की जाए। राजनीतिक नेता जो समुदाय की जरूरतों से परिचित हैं, युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लक्षित कार्यक्रमों, छात्रवृत्तियों और रोजगार योजनाओं के निर्माण की वकालत कर सकते हैं। आर्थिक सुधारों के लिए सरकार के प्रयास को मुस्लिम भागीदारी द्वारा आकार दिया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकास के लाभ समान रूप से वितरित हों। भारतीय मुसलमानों के लिए, लोकतंत्र केवल सरकार की एक प्रणाली नहीं है - यह विकास का एक शक्तिशाली उपकरण है। केवल सक्रिय भागीदारी के माध्यम से ही भारतीय मुसलमान अपनी क्षमता का पूरी तरह से एहसास कर सकते हैं, आकांक्षा और अवसर के बीच की खाई को पाट सकते हैं, और बड़े पैमाने पर समुदाय और राष्ट्र के लिए समावेशी विकास और विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे मौलाना शौकत अली

देश में ऐसे बहुत से मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी हुए हैं, जिनकी ज़िन्दगी का मक़सद सिर्फ़ और सिर्फ़ स्वराज हासिल करना था। वे अपनी मातृभूमि को ब्रिटिश हुकूमत से आज़ाद करवाना चाहते थे। उन्होंने अपनी पूरी ज़िन्दगी देश को आज़ाद करवाने की जद्दोजहद में ही गुज़ार दी। वे मुल्क की आज़ादी का ख़्वाब अपनी आंखों में बसाये इस दुनिया से चले गए। आज़ाद मुल्क में सांस लेना उन्हें नसीब नहीं हुआ, लेकिन उनकी कोशिशों की बदौलत देश आज़ाद हुआ और आज हम आज़ाद मुल्क में जी रहे हैं। मौलाना शौकत अली हिन्द और मुसलमानों की एकता को बहुत अहमियत देते थे।

उन्हें महात्मा गांधी सियासत में लाए थे। उनके बारे में महात्मा गांधी ने लिखा है- "मौलाना शौकत अली तो बड़े से बड़े शूरवीरों में से एक हैं। उनमें बलिदान की अद्‌त योग्यता है और उसी तरह ख़ुदा के मामूली से मामूली जीव को चाहने की उनकी प्रेम शक्ति भी अजीब है। वह ख़ुद इस्लाम पर फ़िदा हैं, पर दूसरे धर्मों से वह घृणा नहीं करते। मौलाना जौहर अली इनका दूसरा शरीर है। मौलाना शौकत अली में मैंने बड़े भाई के प्रति जितनी अनन्य निष्ठा देखी है, उतनी कहीं नहीं देखी। उनकी बुद्धि ने यह बात तय कर ली है कि हिन्द-मुसलमान एकता के सिवा हिन्दस्तान के छुटकारे का कोई रास्ता नहीं है।" मौलाना शौकत अली की ये एक बड़ी ख़ासियत थी कि वे अपनी ग़लती का अहसास होने पर उसे सुधार लिया करते थे। मौलाना शौकत अली के कथित आपत्तिजनक बयान के बारे में महात्मा गांधी ने लिखा था- "कोकोनाडा के उनके भाषण का एक हिस्सा बहुत ही आपत्तिजनक बताकर मुझे दिखाया गया था। मैंने मौलाना का ध्यान उस पर खींचा। उन्होंने उसी दम स्वीकार किया कि हां, वास्तव में यह भूल हुई। कुछ दोस्तों ने मुझे सूचना दी कि मौलाना शौकत अली के ख़िलाफ़ परिषद् वाले भाषण में कितनी ही बातें आपत्तिजनक हैं। यह भाषण मेरे पास है, परन्तु उसे पढ़ने का मुझे समय नहीं मिल पाया। यह मैं ज़रूर जानता हूं कि यदि उसमें सचमुच कोई ऐसी बात होगी, जिससे किसी का दिल दुखी हो, तो भी शौकत अली ऐसे लोगों में पहले व्यक्ति हैं, जो उसको ठीक करने के लिए तैयार रहते हैं। मौलाना शौकत अली का जन्म 10मार्च 1873को उत्तर प्रदेश के रामपुर शहर में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से तालीम हासिल की थी। उन्हें क्रिकेट का भी शौक़ था।

वे अलीगढ़ विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम के कप्तान भी बने। वे सिविल सेवा में भी रहे। उन्होंने अपने भाई मौलाना मुहम्मद अली जौहर के उर्दू साप्ताहिक हमदर्द और अंग्रेज़ी साप्ताहिक कॉमरेड में भी काम किया। उन्होंने ख़िलाफ़त आन्दोलन में शिरकत की। उन्होंने असहयोग आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए ब्रिटिश हुकूमत की हर ज़्यादती और हर ज़ुल्म बर्दाश्त किया। महात्मा गांधी ने उन्हें और उनके भाई मुहम्मद अली जौहर को छुड़ाने के लिए ब्रिटिश हुकूमत से पत्र-व्यवहार भी किया था। इस बारे में महात्मा गांधी लिखते हैं- "इन भाइयों का मिलाप मुझे अच्छा लगा। हमारा स्नेह बढ़ता गया। हमारा परिचय होने के बाद तुरंत ही सरकार ने अली भाइयों को जीते-जी दफ़्न ही कर दिया था। मौलाना मुहम्मद अली को जब-जब इजाज़त मिलती, वह मुझे बैतूल जेल से या छिंदवाड़ा जेल से लम्बे-लम्बे पत्र लिखा करते थे। मैंने उनसे मिलने जाने की प्रार्थना सरकार से की, मगर उसकी इजाज़त न मिली।अली भाइयों के जेल जाने के बाद मुस्लिम लीग की सभा में मुझे मुसलमान भाई ले गए थे।

वहां मुझसे बोलने के लिए कहा गया था। मैं बोला। अली-भाइयों को छुड़ाने का धर्म मुसलमानों को समझाया। इसके बाद वे मुझे अलीगढ़ कॉलेज में भी ले गए थे। वहां मैंने मुसलमानों को देश के लिए फ़क़ीरी लेने का न्यौता दिया था। अली भाइयों को छुड़ाने के लिए मैंने सरकार के साथ पत्र-व्यवहार चलाया।"

26 नवम्बर 1938 को दिल्ली में उनका इंतक़ाल हुआ। महात्मा गांधी लिखते हैं- "स्वर्गीय मौलाना शौकत अली के स्मारक के बारे में मैंने कई तजवीज़ें पढ़ी हैं। ज्यों ही मुझे मौलाना की मृत्यु के बारे में मालूम हुआ, जिसकी अभी बिल्कुल भी आशा नहीं थी, मैंने कुछ मुसलमान मित्रों को उनके साथ अपने अंतस्थल की वेदना प्रकट करते हुए लिखा।

उनमें से एक मित्र ने लिखा है- "मैं यह जानता हूं कि मौलाना शौकत अली अपने ख़ास ढंग से सच्चा हिन्द-मुस्लिम समझौता कराने के लिए सचमुच चिन्तित थे। स्वर्ग में उनकी आत्मा को यह जानकर कि उनका एक जीवन-उद्देश्य आख़िरकार पूरा हो गया, जितनी शान्ति मिलेगी उतनी किसी दूसरे काम से नहीं।

ऐसे भी लोग हो सकते हैं, जिन्हें कि संदेह हो लेकिन मौलाना को और उनका दिमाग़ जिस तरह काम करता था इसको अच्छी तरह जानकर जैसा कि मैं उन्हें जानता था, मैं भरोसे के साथ इस बात की ताईद कर सकता हूं।"कभी-कभी जो वह जोश में आकर ख़िलाफ़ बोल जाते थे, उसके बावजूद मौलाना के दिल में एकता और शान्ति के लिए बड़ी तमन्ना थी जिसके लिए कि वह ख़िलाफ़त के दिनों में बड़े मोहक ढंग से बोलते व काम करते थे।

मुझे इसमें कोई शक नहीं कि उनकी यादगार में हिन्द और मुसलमान दोनों ही क़ौमों का एकता के लिए हुआ संयुक्त निश्चय ही सबसे सच्चा स्मारक होगा।ख़ाली काग़ज़ी एकता का निश्चय नहीं, बल्कि दिली एकता का, जिसका आधार शक और बेऐतबारी नहीं, बल्कि आपस का विश्वास होगा। कोई दूसरी एकता हमें नहीं चाहिए और इस एकता के बिना हिन्दस्तान के लिए सच्ची स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो सकती।"

महात्मा गांधी लिखते हैं- "आप लोगों ने जो इतनी शान्ति रखी, इसके लिए आपको धन्यवाद है। पहले इतनी शान्ति नहीं हुआ करती थी। इससे साफ़ है कि पिछले तीन दिन जो हुआ उससे हमने धर्म नहीं खोया है।

यदि आदमी शान्ति से न रहे, कभी अपने विचारों को भीतर से न देखे, जीवन भर दौड़-दंगल में ही रहे और हर वक़्त गर्म बना रहे तो वह उस शक्ति को पैदा नहीं कर सकता, जिसे शौकत साहब 'ठंडी हवा' कहा करते थे।

मुहम्मद अली साहब भी कहते थे कि हमें अंग्रेज़ों से लड़कर स्वराज्य लेना है और हमारी लड़ाई होगी तकली की तोपों से और कुकुड़ियों के गोलों से। वह जितना विद्वान था, उतना ही कल्पनाएं दौड़ाने वाला था।"

बात मेवात की ...

चूहड़ सिद्ध का मज़ार

ख्वाजा अब्दुर्हमान उर्फ चुहड़सिद्ध का जन्म अट्ठारहवीं शदी के अंतिम बर्षों में चौ॰ सुजा मेव व माँ अमीरी के घर ,तत्कालीन रियासत अलवर की तहसील रामगढ़ के गाँव धनेटा में हुआ था। पिता एक छोटे जमींदार थे जो खेती और पशु पालन से किसी तरह अपना गुजर-बसर कर रहे थे। राजा की मालगुजारी देकर जो कुछ बचता उसी से अपना और बच्चों का जैसे-तैसे गुजारा कर लेते। दुर्भाग्य से एक साल वर्षा कम हूई तो फसल भी अचछी नहीं हुई। परिणामस्वरूप अनाज,भूसा और घर का सामान बिक गया मगर मालगुजारी फिरभी पूरी नहीं हुई। इस पर राजा के कर्मचारी उन्हें गिरफ्तार करके ले गये और जेल में डाल दिया। इस घटना से बालक अब्दुर्हमान इतना डर गया कि अपनी गिरफ्तारी के डर से ,सौंठ-खरैंटा अपने मामा के पास चले गये। मामा ने उन्हें बड़े प्यार से रखा और खेतों की रखवाली उनके जिम्मे करदी। मगर बालक अब्दुर्हमान खेत पर जाकर खेल-कूद में मस्त हो जाता और पक्षी ज्वार भुट्टोंसे दाने चुगते रहते। मामी जब ज्वार काटने आई तो देखा भुट्टे तो खाली हैं। तो उसने अब्दुर्हमान को गुस्से में बुरा-भला कहना शुरू कर दिया। अब्दुर्हमान इससे भयभीत हो गया कि कहीं मामा कड़ी सजा न देने लगे। वह डरकर भाग खड़ा हुआ और गाँम साहौड़ी,परगना अलवर पहुँच गया। यहाँ एक विधवा गूजरी ,जिसके कोई बच्चा नहीं था और इसी चिंता में बीमार रहने लगी थी, ने बालक को खुदा (प्रभु) का वरदान समझ अपने पास रख लिया। यहाँ बालक अब्दुर्हमान पहाड़ में गूजरी की गाय चराने लगा। यहीं से उनके जीवन में कुछ ऐसी घटनाएँ घटी कि उनक मन सांसारिक चीजों से विरक्त हो गया और वे रब की वहदानियत में रम गये।एक वह पहाड़ में गाय चरा रहा था कि एक फकीर आया और उससे कुछ खाने को मांगा। अब्दुर्हमान ने एक गाय का दूध निकाला और फकीर को पेश कर दिया। फकीर ने दूध पिया और खुश होकर बालक को आशीर्वाद दिया। कहते हैं फकीर वहाँ कई दिन टहरा और बालक अब्दुर्हमा को रब की वहदानियत की शिक्षा देता रहा। एक दिन फकीर ने अब्दुर्हमान से एक बड़े पत्थर की ओर इशारा करते हुए कहा,"इसे उठाओ।" अब्दुर्हमान ने पत्थर उठाया तो देखा उसके नीचे हीरे-जवारात का एक विशाल भण्डार है। फकीर ने कहा,"जितना चाहो ले लो।" मगर अब्दुर्हमान ने इंकार करते हुए कहक,"मैं इसका क्या करूँगा ।" इस पर फकीर ने उसे आशीर्वाद दिया और वहाँ से चला गया। लोगों का मत है कि वह फकीर कोई और नहीं,स्वयं शाह मदार थे ही थे। इसकीपुष्टि इससे भी होती है कि फकीर के जाने के बाद अब्दुर्मान पर रब की वहदानियत तारी हो गई। वह गूजरी के घर गया। गायों को बांधा और गूजरी को लाठी औरसरकाकपड़ासौंपतेहुएकहा;

"ये ले अपनी लाठी-लूगड़ी,ये ले अपणी गाय।
हमपे मेहर मदार की,हम कसकी घेरां गाय।।"

इसके बाद वह पहाड़ में आया और जगह जहाँ अब उसका घर है,अल्लाह (प्रभु) की इबादत में तल्लीन हो गया और चिल्लाकशी शुरू करदी। जिस स्थान पर अब्दुर्हमान ने.चिल्लाकशी शुरू की उसके पास ही एक जोगी रहता था जो एक सिद्धस्त जादूगर था। उसकी हरकतों से आस- पास के गाँवों में रहने वाले लोग बहुत परेशान थे। अपने पास एक अजनबी की उस्थिति उसे पसंद नहीं थी।अत: जोगी ने उसे तरह-तरह परेशान करना शुरू कर दिया ताकि वह भाग जाए। सांप,बिच्छू,शेर सब भेजे मगर दर्वेश अब्दुर्हमा न पर इनका कुछ असर नहीं हुआ। यह देख जोगी डर गया और वहाँ से भाग खड़ा हुआ। यह देख आस-पास रहने वाले लोग बहुत खुश हुए और उन्हें पहले सिद्ध पुरुष और फिर चुहुड़ सिद्ध (अल्लाह का कामिल बंदा) कहने लगे। धीरे-धीरे उनकी प्रसिद्धी पूरी उत्तरी भारत में फैल गई और लोग दूर-दूर से उनसे आशीरवाद लेने आने लगे। मेजर पाउलेट लिखते हैं कि सन् 1875 में एक आश्चर्यजनक घटना घटी। रात में बारिस हुई और उस कुंड में पानी भरने लगा जो सूख चुका था। हिन्दओं ने इसे उपगंगा कहा जबकि मेवों ने इसे बाबा चुहुड़ सिद्ध की बरकत (चमत्कार माना। (व॰आ॰)। पाउलेट आगे लिखता है कि रामगढ़ के तहसीलदार ने सूचना दी कि जब मैं वहाँ गया तो लगभग दस हजार आदमी वहाँ से बाहर आ रहे थे और लगभग इतने ही अंदर जा रहे थे। बाहर लगभग एक हजार बैलगाड़ियाँ खड़ी थी और हजारों ऊँट और घोड़ों से लोग आए हुए थे। अलवर,भरतपुर से ही नहीं गुड़गाँव,मथुरा और हाथरस तक से लोग आए हैं। पाउलेट आगे लिखता है कि यहाँ एक ठंडे पानी का झरना बह रहा है। लोग इसमें स्नान करते हैं। विशेषकर अंधे और चर्म रोगी और वे ठीक हो जाते हैं। सोमवार को यहाँ बकरे चढ़ाये जाते हैं। इन बकरों को इसी पानी में धोया जाता है। यहाँ तककि पानी खून से लाल हो जाता है। लोग इसी में नहाते हैं और मन्नत मांगते हैं। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि उस समय सूफी संत चुहुड़ सिद्ध की प्रसिद्ध किस स्तर तक फैली हुई थी।आज भी हजारों लोग चुहुड़ सिद्ध के अस्थान पर हाजरी लगाते हैं।

अजमेर शरीफ दरगाह की पवित्रता पर सवाल: न्याय, सत्य और एकता का आह्वान

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर शरीफ दरगाह, ख्वाजा गरीब नवाज (र.अ.) की इस सूफी स्थली को भारत की आध्यात्मिक संस्कृति और समावेशिता का प्रतीक माना जाता है।

13वीं शताब्दी में स्थापित, यह दरगाह न केवल लाखों भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है, बल्कि भाईचारे और मानवता की सेवा का संदेश भी देती है। हालाँकि, हाल ही में इसके ऐतिहासिक महत्व और पवित्रता पर एक विवादास्पद याचिका ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मंदिर होने का दावा और विवाद

अजमेर की एक अदालत में याचिका दाखिल कर दावा किया गया है कि दरगाह शरीफ वास्तव में एक हिंदू मंदिर है। इस याचिका को अदालत द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद दरगाह दीवान के उत्तराधिकारी सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने बयान देते हुए कहा कि वह अदालती प्रक्रिया का सम्मान करते हैं, लेकिन इस तरह के दावे समाज में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा, "यह परंपरा बन रही है कि हर दरगाह और मस्जिद को मंदिर घोषित करने के दावे किए जा रहे हैं। ऐसे विवाद न केवल धार्मिक स्थलों की पवित्रता को प्रभावित करते हैं बल्कि समाज के सौहार्द को भी खतरे में डालते हैं।"

दरगाह का ऐतिहासिक महत्व

दरगाह शरीफ का निर्माण ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (र.अ.) के देहांत के बाद किया गया था। सदियों से यह स्थान शांति और सद्भाव का प्रतीक बना हुआ है, जहाँ सभी धर्मों और समुदायों के लोग समान भाव से आते हैं। दरगाह पर आने वाले श्रद्धालुओं में न केवल आम लोग बल्कि कई ऐतिहासिक शासक और नेता भी शामिल रहे हैं।

सांप्रदायिक एजेंडा और कानूनी विवाद

विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों का मानना है कि ऐसे मामलों का उद्देश्य धार्मिक भावनाओं का राजनीतिकरण करना और ऐतिहासिक स्थलों को विवादित बनाना है। एआईएमआईएम प्रवक्ता काशिफ जुबेरी ने इसे "पूजा स्थल अधिनियम, 1991" का उल्लंघन बताते हुए कहा कि ऐसी याचिकाएँ देश में भाईचारे को कमजोर कर रही हैं।।

एकता और भाईचारे की जरूरत

ख्वाजा गरीब नवाज (र.अ.) ने अपने जीवन में बिना शर्त प्रेम और करुणा का संदेश दिया। उनका यह संदेश आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करता है।

ऐसे में दरगाह शरीफ की पवित्रता को चुनौती देने वाले कार्य इस संदेश के विपरीत हैं।यह समय है कि भारत की न्यायपालिका और नेतृत्व ऐसे तुच्छ मामलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएँ। समाज को भी नफरत के एजेंडे को अस्वीकार कर शांति और सद्भाव को बनाए रखना चाहिए।

संदेश और प्रतिबद्धता

अजमेर शरीफ केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है; यह भारत की आध्यात्मिक विरासत और सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है। इसके प्रति श्रद्धा रखने वालों को नफरत और विभाजन के इस प्रयास के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है।

मुस्लिम लड़कियों का शैक्षिक पिछड़ापन: जिम्मेदार कारक और इस्लामी परिप्रेक्ष्य

शिक्षा एक मौलिक मानव अधिकार है, जो व्यक्तिगत विकास, सामाजिक विकास और आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। हालाँकि, लड़कियों, विशेष रूप से मुस्लिम लड़कियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक उनकी पहुंच में बाधा बनती हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के बावजूद, मुस्लिम लड़कियाँ अभी भी अन्य समुदायों की तुलना में शैक्षिक उपलब्धि में पीछे हैं। यह मुद्दा नीति निर्माताओं, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए चिंता का विषय बन गया है।

मुस्लिम लड़कियों के शिक्षा में पिछड़ने का सबसे बड़ा कारण गरीबी है। गरीबी परिवारों को दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्यों की तुलना में तत्काल वित्तीय जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर करती है। विशेषकर ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्कूलों और शिक्षण सामग्री तक पहुंच की कमी से स्थिति और गंभीर हो जाती है। जब शिक्षा के लिए संसाधन आवंटित करने की बात आती है तो अक्सर लड़कियों की तुलना में लड़कों को प्राथमिकता दी जाती है। कुछ परिवार अपनी बेटियों को सह-शिक्षा स्कूलों में भेजने से झिझकते हैं, उनका मानना है कि इससे उन प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है जिन्हें वे अनुचित या गैर-इस्लामी मानते हैं। सामुदायिक स्तर पर मजबूत वकालत के बिना, मुस्लिम आबादी के कुछ हिस्सों में लड़कियों की शिक्षा के मूल्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कुछ व्यक्ति और समूह लड़कियों को शिक्षित करने के खिलाफ तर्क देने के लिए धार्मिक ग्रंथों का दुरुपयोग कर सकते हैं, यह दावा करते हुए कि इस्लाम सार्वजनिक जीवन या औपचारिक शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी को हतोत्साहित करता है। ऐसी व्याख्याएँ इस्लाम के मूल सिद्धांतों को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं, लेकिन वे कुछ समुदायों में बनी रहती हैं। इससे लड़कियों को स्कूल भेजने के प्रति गलत धारणाएं और विरोध पैदा हुआ है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां रूढ़िवादी विचार हावी हैं। इस्लामी शिक्षाएँ स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों की शिक्षा का समर्थन करती हैं। कुरान और हदीस (पैगंबर मुहम्मद की बातें) व्यक्तिगत विकास और सामाजिक सुधार के साधन के रूप में ज्ञान प्राप्त करने के महत्व पर जोर देते हैं। कुरान यह स्पष्ट करता है कि लिंग की परवाह किए बिना ज्ञान प्राप्त करना हर मुसलमान के लिए एक आदेश है। प्रसिद्ध आयत "अपने भगवान के नाम पर पढ़ें जिसने बनाया" (कुरान 96:1) सीखने और बौद्धिक विकास के महत्व को रेखांकित करता है। पैगंबर मुहम्मद साहब ने भी महिलाओं को शिक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "ज्ञान प्राप्त करना हर मुसलमान पर अनिवार्य है"। पैगंबर मुहम्मद साहब की पत्नी हजरत आयशा को एक महान विद्वान और शिक्षक के रूप में याद किया जाता हैं। इसके अलावा, इस्लाम के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, मुस्लिम महिलाएं पुरुषों के साथ स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जाती थीं।

बगदाद और काहिरा जैसे शहरों में महिलाओं ने चिकित्सा, गणित और साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस्लाम में महिलाओं को शिक्षित करना परिवार और समाज को बेहतर बनाने के साधन के रूप में देखा जाता है। एक शिक्षित महिला अपने परिवार के कल्याण में योगदान देने, अपने बच्चों को शिक्षित करने और सामाजिक और आर्थिक विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होती है। भारत में मुस्लिम लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली शैक्षिक असमानताओं को दूर करने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। सरकार और गैर सरकारी संगठनों को स्कूलों तक पहुंच में सुधार के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां शिक्षा के बुनियादी ढांचे की कमी है। इसमें लड़कियों के लिए स्कूल स्थापित करना, छात्रवृत्ति प्रदान करना और मुफ्त शैक्षिक सामग्री प्रदान करना शामिल हो सकता है। मुस्लिम समुदायों को लड़कियों की शिक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान की आवश्यकता है। सामुदायिक नेताओं और धार्मिक विद्वानों को लड़कियों की शिक्षा की वकालत करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। सरकार बाल विवाह के खिलाफ सख्त कानून लागू कर सकती है और परिवारों को लड़कियों को स्कूल में रखने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। गरीब परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली नीतियां, जैसे छात्रवृत्ति और मुफ्त शिक्षा, मुस्लिम लड़कियों के बीच स्कूल छोड़ने की दर को कम करने में काफी मदद कर सकती हैं।

हालाँकि भारत में मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ये बाधाएँ दूर करने योग्य नहीं हैं। इस्लाम, अपनी मूल शिक्षाओं में, महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा की वकालत करता है, और मुस्लिम समुदाय के भीतर शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने की आवश्यकता की मान्यता बढ़ रही है

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

26/6.2/B.tech.mechanical(honours),working in private company.jodhpur based reputed family.Required educated, religious girls. Contact ph.91 8005598829

26/5.2"/B. Com; LLB; M.Com/ Sales Cordinator in finance company.reputed jodhpur based Syed family girl. need suitable educated,-settled, religious boy.contact ph.8426056205

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

• सुन्नी मुस्लिम युवक 45/5.7"/ पोस्ट ग्रेजुएट/होम गार्ड में कार्यरत तलाकशुदा जयपुर निवासी हेतु दीनदार, पढ़ी-लिखी, घर के काम में दक्ष युवती चाहिए, तलाकशुदा भी मान्य। संपर्क करें 8306725799

• Beautiful Muslim Sunni Pathan (Yusufzai) girls 22/5.3"/Convent Educated & currently pursuing B.H.M.S./ & other 20/5.5"/Convent Educated & currently pursuing B.A. in Phycology & English Lit./Father retired from Pvt. Company and at present doing E-Mitra work. Both girls are Hijabi, 5 times Namazi, fully religious homely girls from well educated and reputed Shahjahanpur (U. P.) based family currently living in Ajmer. Needs suitable, well educated and settled boys from Muslim Sayed/Pathan caste families.
Contact:
Mobile- 98287 34281

• खूबसूरत अंसारी लड़कियां 32/ 5.4"/B.Tech; इंजीनियर/ ट्रांसफार्मर कंपनी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत व 29/5.6"/M. Com; MBA/ जयपुर सेज में सीनियर एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत । दोनों दीनी तालीम याफ्ता, जयपुर की पढ़ी-लिखी रेप्यूटेड फैमिली हेतु पढ़े-लिखे, बिजनेसमेन/सरकारी ऑफिसर अच्छी रेप्यूटेड फैमिली के लड़के चाहिए।
संपर्क: 9828048966/ 9166117743

• Beautiful Muslim girl 32/5.5"/MJMC/PGDCA/ presently working as a Bank Officer/Father retired Govt. Officer, reputed family of Sawai Madhopur. Needs religious well settled, Govt Officer/ Businessman from reputed family. Early Marriage.
Interested please Contact: Mobile-8302114075/8209325917

• 47/6.1"/सिविल इंजीनियर/ तलाकशुदा/ वार्षिक आय 3.5 लाख/ मुस्लिम पठान, जयपुर निवासी आदमी के लिए दीनदार, घरेलू, पढ़ी-लिखी जीवन साथी चाहिए, तलाकशुदा भी मान्य । संपर्क:
मोबाइल- 8209336198

28/5.8"/बीएससी; बी. टेक/व्यवसाय टीचिंग/टोंक निवासी प्रतिष्ठित फैमिली के मुस्लिम युवक हेतु सुंदर, पढ़ी-लिखी, दीनदार, घरेलू कार्य में दक्ष मुस्लिम लड़की चाहिए।
संपर्क: मोबाइल- 8769654230

.जयपुर निवासी 25 वर्षीय/बी.ए./ तलाकशुदा (3 वर्ष की बच्ची है)/ दीनी तालीम याफ्ता, घरेलू कार्य में दक्ष मुस्लिम लड़की हेतु दीनदार, नमाज़ी, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन राजस्थानी लड़का चाहिए । इच्छुक सम्पर्क करें- मोबाइल: 98294 43086/97725 52446.

•जयपुर निवासी 25/5'.4"/ M.Sc. B.ed/ पठान लड़की/ गवर्नमेंट में अध्यापिका के पद पर कार्यरत हेतु पढ़े-लिखे गवर्मेंट ऑफिसर/नौकरीपेशा/बिजनेस मैन लड़का जो शेख/सैयद/पठान खानदान से ताल्लुक रखता हो । संपर्क करें - मोबाइल नंबर: 7223023871

•हनफी अंसारी सुन्नी मुस्लिम डॉक्टर 28/5.5"/BHMS/खुद की क्लिनिक/जयपुर निवासी हेतु ग्रेजुएट, दीनी तालीम याफ्ता, घरेलू कार्य में दक्ष लड़की चाहिए। सम्पर्क: 7976464322/9772552446

.35/5.2"/B.Sc./Fair colour/ Deeni Taleem yafta Divorced Sunni Muslim girl from educated, reputed family of Jaipur. Presently doing tution job at home. Need educated, settled religious groom. Early Marriage. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile: 9352666093/9772552446

.Sunni Muslim girl 37/5.6"/M.A; MBA/Divorced (No issue)/Deeni Taleem Yafta from well educated and reputed family of Jodhpur. Need well educated, settled and religious suitable man from reputed family from Sayed /Sheikh or Pathan of Udaipur/Jodhpur/Ajmer/Jaipur based boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile: 9314720003/9772552446

• Beautiful Pathan girl 34/M.Tech (Computer Science), Sr. Database Administrator and Software Developer, Finance Department of Secretariat Government of Rajasthan (Pvt basis). Father retired Govt. Officer, well educated and reputed family of Tonk. Needs well educated, settled and religious boy from Jaipur based family. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile: 9772552446/9799559096

• Hanafi Sunni Muslim beautiful girl 25/5.5". Education Qualification: Masters in Litrature and PG Diploma in Digital Marketing. Father Govt officer. Well educated and reputed family of Bhilwara. Need well educated, religious, settled boy from reputed family. Contact Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

. 23/5.4"/एम. कॉम; आई टी आई (ड्रेस मेकिंग) व RSCIT कोर्स, दीनी तालीम याफ्ता खूबसूरत जयपुर निवासी अंसारी लड़की। वालिद कॉन्ट्रेक्टर- फेब्रिकेशन वर्क हेतु दीनी, पढ़ा- लिखा खूबसूरत नौकरीपेशा/बिजनेसमैन अच्छे परिवार का लड़का। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर। मोबाइल नं. 9772552446/9799559096

• Sunni Muslim girl 32/5.8"/M.A; LLB, Perusing LLM/Deeni Taleem Yafta from well educated and reputed family of Jodhpur. Need well educated, settled and religious boy from reputed family from Sayed /Sheikh or Pathan of Udaipur/Jodhpur/Ajmer/Jaipur based boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

• Jaipur based Sunni Muslim girl 31/B. Tech/ Beautiful, Deeni Taleem Yafta. Father retired Govt. Officer. Needs well educated, settled religious boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446/9799559096

खूबसूरत अंसारी लड़की 27/5.5"/ पोस्ट ग्रेजुएट/तलाकशुदा/ दीनी तालीम याफ्ता, घर के कामों में माहिर, सरकारी जॉब की तैयारी, पढ़ी-लिखी जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु सुयोग्य पढ़े-लिखे अच्छे फैमिली का लड़का । इच्छुक सम्पर्क करें: रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर । मोबाइल: 9887910863/9772552446

• Sunni Ansari Muslim Jaipur based divorced girl 37/M.A; B.ed/Deeni Taleem Yafta. Need suitable educated, settled religious boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446 /9799559096

• Sunni Muslim boy 30/5.10"/80 kg. weight/ Master in Criminology with Gold Medal/own business. Father retired as Dean from Veterinary College. Home town in Tonk, living in Palanpur, Gujarat, well educated, reputed and well settled small family. Need suitable homely, religious, educated girl from reputed family. Preference to Tonk based girl. Contact: Mobile : 9772552446, 9799559096

• Jaipur based Sunni Muslim boy 28/5.8" M.Com and B.PEd degree English medium. At present Tennis Coach in Pvt School, Father businessman, well settled and educated family. Needs Jaipur based homely religious girl . Contact: Mobile : 8107860666

• Udaipur based Syed/Siddiqui girl 28/5.4"/ B.Tech (Electronics & Communication Engineering) Convent educated, working in Bank as Manager (Central Govt. job transferrable all over India), Annual package 8.00 lakh. Father Addl. Director in Govt. Deptt. and Mother Govt. Teacher (Taken VRS). Well reputed and educated family. Needs suitable religious Muslim boy. Contact: Royal Patrika office, Jaipur. Mobile : 9772552446, 9799559096.

• जयपुर निवासी सुन्नी सैयद मुस्लिम लड़की 27/5.2" एम.ए. (पॉलिटिकल साइंस), दीनी तालीम याफ्ता खूबसूरत, घरेलू कार्य में दक्ष, वालिद एडवोकेट- नोटरी पब्लिक, प्रतिष्ठित पढ़ी लिखी, स्माल फैमिली हेतु पढ़े लिखे नौकरीपेशा/बिजनिसमैन सुयोग्य युवक चाहिए। जयपुर निवासी को प्राथमिकता। इच्छुक संपर्क करें : 9772552446, 9799559096

• सुन्नी मुस्लिम नसीराबाद निवासी फेयर व सुंदर लड़का 28/5'11"/बी ए ; होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा, स्वयं की ट्रांसपोर्ट कंपनी आय 2/2.5 लाख प्रति माह । फादर बिजनेसमैन, मदर का स्वयं का लेडीज गारमेंट्स, किड्स क्लोथ्स शोरूम हेतु सुंदर, सुशील पढ़ी लिखी लड़की चाहिए। संपर्क- रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर। Ph. 9772552446, 9799559096

• 28/5'5" B.A, B.ed. divorced, no issue. Father Retd. Sr. Dy. DEO, Mother Retd. Librarian. Jaipur based educated Syed Sunni Muslim family. Needs educated, well settled boy. Contact : Royal Patrika office, Jaipur. Ph. 9772552446, 9799559096

• Suitable match for Jaipur based Syed girl 22/5'3" B. A. And Deeni Taleem Yafta sister (married). Contact: Royal Patrika office. Jaipur. Ph. 9772552446, 9799559096

• 29/5.3 " पोस्ट ग्रेजुएट व 26/5.3" ग्रेजुएट दीनी तालीम आफता व नमाजी रेप्यूटेड फैमिली जयपुर निवासी, दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम (सैयद) युवकों के लिए खूबसूरत दीनी तालीम के साथ-साथ ग्रेजुएट व घर के काम मे दक्ष लड़कियां | बायोडाटा सहित संपर्क करें - रॉयल पत्रिका कार्यालय,जयपुर। Ph. 9772552446, 9799559096

• खूबसूरत अंसारी लड़की 33/5'/ एम ए/ तलाकशुदा/ दीनी तालीम याफ्ता, घर के कामों में माहिर, जयपुर निवासी हेतु सुयोग्य पढ़े लिखे अच्छे फैमिली का लड़का । इच्छुक सम्पर्क करें: रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर । मोबाइल : 9887910863/9772552446

Suitable match for Jaipur based Sunni Pathan girl 32/5.4"/B. Com; CS Inter completed/ Deeni Taleem yafta. Educated small family. Father retired from JDA. Need well settled educated boy. Contact : 98288 37346

चुरु (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम दीनी तालीम याफ्ता लड़की 23/ 5.2"/ एमएससी (फिजिक्स) रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही हेतु सुयोग्य पढ़े-लिखे व सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक संपर्क करें-रॉयल पत्रिका कार्यालय, जयपुर । मोबाइल: 9772552446/ 9799559096

Sunni Muslim boy 30/5.10"/80 kg. weight/ Master in Criminology with Gold Medal/own business. Father retired as Dean from Veterinary College. Home town in Tonk, living in Palanpur, Gujarat, well educated, reputed and well settled small family. Need suitable homely, religious, educated girl from reputed family. Preference to Tonk based girl. Contact: 9772552446/ 9799559096

सुन्नी मुस्लिम लड़की 23 वर्षीय/5.3"/स्नातक-अध्यनरत /दीनी तालीम याफ्ता, घरेलू कार्य में दक्ष, वालिद एडवोकेट, जयपुर निवासी हेतु सुयोग्य वर चाहिए।
इच्छुक सम्पर्क करें - 97725 52446

रिश्ते के लिए विज्ञापन दें

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक न्यूज पेपर में पेज नं. 5 पर तीन-चार महीने पहले मुस्लिम रिश्ते नाम से एक कॉलम शुरू किया गया, जिसका अच्छा रिजल्ट सामने आया है। रॉयल पत्रिका में मुस्लिम रिश्ते के लिए विज्ञापन देने वाले दर्जनों युवक-युवतियों की शादी हो गई है या शादी तय हो गई है। रॉयल पत्रिका राजस्थान के मुसलमानों में पढ़ा जाने वाला एक बड़ा न्यूज पेपर है। जिसका फायदा मुस्लिम रिश्ता चाहने वालों को मिल रहा है। मुस्लिम समाज के ऐसे लोगों से गुज़ारिश है जो अपने बेटे- बेटियों के रिश्तों के लिए न्यूज पेपर में विज्ञापन देना नहीं चाहते हैं, लेकिन अख़बार में छपे रिश्ते का रिश्ता ज़रूर चाहते हैं। ऐसे लोगों को चाहिए कि वे स्वयं भी न्यूज पेपर में रिश्तों का विज्ञापन दें और फायदा उठावें और यह नहीं सोचें कि विज्ञापन देने से उनकी बदनामी हो जाएगी । जिन्होंने रॉयल पत्रिका में रिश्तों के लिए विज्ञापन दिए, उनके रिश्ते तय हुए। जो सोचते रहे वे रिश्तों से वंचित रहे हैं। इसलिए बे हिचक मुस्लिम रिश्तों के लिए रॉयल पत्रिका में विज्ञापन देना चाहिए।

एसबीआई में स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर भर्ती, 169 पदों पर सुनहरा मौका

अगर आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में नौकरी का सपना देख रहे हैं, तो यह आपके लिए शानदार मौका है। SBI ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (SCO) के 169 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। यह भर्ती प्रक्रिया इंजीनियरिंग और संबंधित क्षेत्रों में योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों के लिए है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसइट sbi.co.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की आखिरी तारीख

आवेदन की प्रक्रिया 22 नवंबर 2024 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 12 दिसंबर 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। एप्लीकेशन फीस जमा करने की लास्ट डेट भी 12 दिसंबर 2024 है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे जल्द से जल्द आवेदन करें और इस मौके का लाभ उठाएं।

किन पदों पर हो रही है भर्ती?

इस भर्ती अभियान के तहत असिस्टेंट मैनेजर इंजीनियर समेत कई अन्य पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इन पदों के लिए उम्मीदवारों को संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता और अनुभव होना अनिवार्य है। यह नौकरी उन उम्मीदवारों के लिए सुनहरा अवसर है, जो बैंकिंग सेक्टर में करियर बनाना चाहते हैं।

योग्यता और अनुभव क्या चाहिए?

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास संबंधित ट्रेड में इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए। इसके अलावा, उम्मीदवारों के पास संबंधित क्षेत्र में अनुभव होना भी जरूरी है। इन जरूरतों को पूरा करने वाले उम्मीदवार ही इस वैकेंसी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट और सैलरी

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 साल और अधिकतम आयु 30 साल होनी चाहिए।

चयनित उम्मीदवारों को 48,480 से 85,920 रुपये मंथली सैलरी दी जाएगी। इसके अलावा, बैंक द्वारा अतिरिक्त भत्ते और लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले SBI की वेबसाइट sbi.co.in पर जाएं।
होमपेज पर "Current Vacancies" के लिंक पर क्लिक करें।
संबंधित पद के लिंक पर क्लिक कर आवेदन फॉर्म भरें।
सभी जरूरी दस्तावेज अपलोड करें और शुल्क जमा करें।
फॉर्म सबमिट करने के बाद उसकी प्रिंट कॉपी जरूर रखें।

क्यों है ये नौकरी खास?

SBI की इस भर्ती में न केवल आकर्षक वेतन है, बल्कि स्थायित्व और अन्य भत्ते भी प्रदान किए जाते हैं। यह भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक में करियर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

गुजरात स्वास्थ्य विभाग में निकली बंपर भर्ती: 2804 पदों पर मौका

गुजरात लोक सेवा आयोग (GPSC) ने मेडिकल ऑफिसर, ट्यूटर्स, इंश्योरेंस मेडिकल ऑफिसर, सहित विभिन्न पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार जीपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट gpsc.gujarat.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान से पद से संबधित डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

फीस :
सामान्य : 500 रुपए
एससी, एसटी, पीएच : 250 रुपए
महिला : नि:शुल्क

सैलरी :
पद के अनुसार 44,900 - 2,08,700 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट https://gpsc.gujarat.gov.in/ पर जाएं।
होमपेज पर रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
एक ओटीआर लॉगिन बनाएं और आवेदन प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करने से पहले एक बार इसे क्रॉस चेक कर लें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट लेकर रखें।

यूपीएससी नर्सिंग ऑफिसर के 1930 पदों पर भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में नर्सिंग ऑफिसर की भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
डिप्लोमा बी.एससी.(ऑनर्स) नर्सिंग/बी.एससी. नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग होना चाहिए।

एज लिमिट :
30 - 40 साल

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल - 7 के अनुसार

फीस :
• जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 25 रुपए
•एससी/एसटी, पीडब्ल्यूडी : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
• रिटन एग्जाम
• स्किल टेस्ट

एग्जाम पैटर्न :
• एग्जाम दो घंटे का होगा।
• एग्जाम में ऑब्जेक्टिव टाइप क्वेश्चन पूछे जाएंगे।
• इंग्लिश मीडियम में एग्जाम होगा।
• गलत आंसर होने पर एक तिहाई अंकों की निगेटिव मार्किंग होगी।

ऐसे करें आवेदन :
• ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाएं।
• होमपेज पर DAF लिंक पर क्लिक करें।
• जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
• फीस जमा करें।
• फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

सर्दियों में सेहत का खजाना है हरी मटर

हरी मटर का स्वाद भला किसे पसंद नहीं आता होगा, ज्यादातर डाइटीशियन इसे सर्दियों में खाने की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे कुछ बेशुमार फायदे हो सकते हैं। हरी मटर को आमतौर पर सर्दियों में उगाया जाता है, लेकिन फ्रोजेन और ड्राई फॉर्म में ये ये सालोंभर मिलता है। हालांकि फ्रोजन मटर को खाना सेहत के लिए उतना अच्छा नहीं माना जाता, इसलिए आपको ताजी हरी मटर ही खाने की सलाह दी जाती है।

हरी मटर खाने के जबरदस्त फायदे

1. प्रोटीन का रिच सोर्स

हरी मटर में प्लांट बेस्ट प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है, अगर इसे रेग्युलरली खाएंगे तो हड्डियां और मांसपेशिया मजबूत हो जाएंगी, साथ ही मसल्स को रिपेयर करने में भी मदद मिलेगी। साथ बच्चों के शरीर के विकास के लिए भी ये काफी मददगार साबित हो सकता है। यानी मटर खाने से कमजोर शरीर में भी जान आ जाती है

2. फाइबर से भरपूर

हरी मटर को फाइबर का रिच सोर्स माना जाता है, इसे खाने से काफी देर तक पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आप ज्यादा भोजन करने से बच जाते हैं और धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है। जो लोग वेट लूज करने की चाहत रखते हैं उनके लिए ये परफेक्ट डाइट है।

3. डायबिटीज में असरदार

हरी मटर में ग्लाइसिमिक इंडेक्स काफी कम होता है और ये ब्लड शुगर लेवल को रेग्युलेट करने में मदद करता है। इसके साथ ही ये अचानक शुगर स्पाइक को भी रोकता है और फाइबर की मौजूदगी के कारण कार्बोहाइड्रेट के एब्जॉर्ब्शन में कमी लाता है। यही वजह है कि ग्रीन पीज डायबिटीज के मरीजों के लिए एक बेहतरीन डाइट है।

4. दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

हरी मटर में कई ऐसे मिनरल्स पाए जाते हैं जो दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, मसलन मैग्नीशियम, पोटैशियम और कैल्शियम ये सभी पोषक तत्व ब्लड प्रेशर को नॉर्मल रखने में मदद करते हैं जिससे हार्ट अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। साथ ही ये नसों से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

नेवी में होनी है अपरेंटिस भर्तियां, आवेदन प्रक्रिया शुरू

भारतीय नौसेना में काम करने के इच्छुक युवाओं के पास यहां नौकरी पाने का अच्छा मौका है। इंडियन नेवी अपरेंटिस भर्ती 2024 के लिए जरूरी पात्रता, पोस्ट, चयन प्रक्रिया, आयु सीमा समेत सभी जानकारी आपको यहां मिलेगी।

इंडियन नेवी जॉइन करने का शानदार अवसर है। नौसेना ने नेवल डॉकयार्ड विशाखापत्तनम अपरेंटिस भर्ती 2024 के लिए आवेदन मांगे हैं। ऐसे कैंडिडेट्स जो इस वैकेंसी के लिए फॉर्म भरने का मन बना रहे हैं, वे नेवी की ऑफिशियल वेबसाइट indiannavy.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

कब तक चलेगी आवेदन प्रक्रिया?

इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया आज, 28 नवंबर से शुरू कर दी गई है। जो उम्मीदवार इस नेवल डॉकयार्ड विशाखापत्तनम अपरेंटिस भर्ती 2024 के लिए 2 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुल्क

जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस समेत किसी भी कैटेगरी के कैंडिडेट्स के लिए कोई आवेदन शुल्क नहीं है।

आयु सीमा

उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी 2011 को या उससे पहले हुआ हो। नेवल डॉकयार्ड विशाखापत्तनम ट्रेड अपरेंटिस 2024-2025 भर्ती नियमों के अनुसार रिजर्व कैटेगरी के कैंडिडेट्स को ऊपरी आयु में छूट दी जाएगी।

ट्रेड अपरेंटिस भर्तियां और योग्यता

विभिन्न ट्रेड्स में कुल 275 अपरेंटिस पदों पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसके लिए आवदकों को 50 प्रतिशत नंबरों के साथ 10वीं पास होना चाहिए। इसके साथ ही
न्यूनतम 65 फीसदी अंकों के साथ आईटीआई एनसीवीटी/एससीवीटी सर्टिफिकेट भी मांगा है।

ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन

उम्मीदवार सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट indiannavy.nic.in पर जाएं।
नेवल डॉकयार्ड विशाखापत्तनम अपरेंटिस भर्ती नेटिफिकेशन पढ़ें।
सभी जरूरी डिटेल्स पात्रता, निजी जानकारी, पता जैसी डिटेल्स दर्ज करें।
भर्ती फॉर्म से संबंधित तैयार स्कैन दस्तावेज़ - फोटो, हस्ताक्षर आदि अपलोड करें।
आवेदन जमा करने से पहले सभी कॉलम को चेक कर लें।
अंतिम रूप से सबमिट किए गए फॉर्म का प्रिंट आउट ले लें।

यहां भेजें अपरेंटिस भर्ती फॉर्म

ऑनलाइन आवेदन के बाद इसे ऑफलाइन भी भेजना होगा, जिसमें नोटिफिकेशन में दिए गए हॉल टिकट और चेक लिस्ट के प्रिंट के साथ उम्मीदवार को अपने अप्रेंटिस प्रोफाइल का प्रिंट आउट भी भेजना होगा। दोनों प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले उम्मीदवारों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अपरेंटिस भर्ती फॉर्म डाक द्वारा इस पते पर भेजें, ताकि 2 जनवरी 2025 तक डीएएस (वी) पर पहुंच जाए।

पता है- प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षुता के लिए), नेवल डॉकयार्ड अपरेंटिस स्कूल, वीएम नेवल बेस एसओ, पीओ, विशाखापत्तनम - 530 014, आंध्र प्रदेश

यूजीसी नेट दिसंबर 2024 परीक्षा के लिए 10 दिसंबर तक कर सकते हैं एप्लाई

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर्गत एनटीए ने यूजीसी नेट दिसंबर 2024 के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन प्रोसेस शुरू कर दिए हैं। इसमें आवेदन की अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2024। यूजीसी नेट परीक्षा के जरिए छात्रों को पीएचडी कोर्स में दाखिला मिलता है।

महत्वपूर्ण तिथियां

UGC NET दिसंबर परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2024 है। वहीं आवेदन शुल्क जमा करने के लिए छात्रों के पास 11 दिसंबर 2024 तक का समय है। फॉर्म में सुधार के लिए 12 और 13 दिसंबर का समय निर्धारित किया गया है। किसी प्रकार की परेशानी में UGC द्वारा जारी मेल आईडी पर संपर्क कर सकते हैं, जिसका पता है ugcnet@nta.ac.in

फॉर्म भरने के लिए आवेदन शुल्क

यूजीसी नेट का फॉर्म भरने के लिए सभी कैंडिडेट्स को निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। अनारक्षित वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 1150 रुपये है। वहीं ईडब्ल्यूएस/ओबीसी-एनसीएल के लिए 600 रुपये है और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी व थर्ज जेंडर के लिए 325 रुपये का आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है। बता दें, नेट जेआरएफ के लिए आयु सीमा 30 साल है। वहीं नेट के लिए कोई एज लिमिट नहीं है।

आवश्यकता

• रॉयल पत्रिका को हॉकर्स (अखबार बांटने के लिए) की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति कार्यालय आकर शीघ्र संपर्क करें- रॉयल पत्रिका, मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर - 302002
मो. न. : 9772552446

• जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार । इच्छुक व्यक्ति अपना बायो डाटा निम्न व्हाट्सएप न. पर भेजे-
मो. न. – 9772552446

सम्भल हिंसा के खिलाफ एसडीपीआई ने किया विरोध प्रदर्शन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इण्डिया बारां इकाई द्वारा दिनांक 24 नवम्बर को यूपी के सम्भल मे शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दोरान भड़की हिंसा के विरोध मे अंजुमन चोराहा बारां पर प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन मे बारां नगर कमेटी सदस्य वसीम मंसूरी ने सम्भल शाही जामा मस्जिद के मसले को उपासना स्थल अधिनियम 1991 का खुला उल्लंघन करार दिया व कराये जा रहे सर्वे को असंवैधानिक करार देते हुवे इस मसले को राजनीतिक धुर्वीकरण करके जनता का ध्यान असल मुद्दों से हटाने वाला बताया। बारां नगर कमेटी सदस्य मौलाना सलमान ने हिंसा के लिये प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुवे मारे गये युवको कि मौत कि निंदा कि मौलाना सलमान ने अपने भाषण मे कहा कि प्रशासन द्वारा निर्दोष लोगो पर गोलियां चलाई गई तथा बेकसूरों को निशाना बनाया गया ऐसे पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने व मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने कि मांग कि। अंजुमन इत्तेहाद बाहमी के सदर अहतशामुद्दीन सिद्दीकी ने 26 नवम्बर संविधान दिवस पर अपनी बात रखते हुवे सुप्रीम कोर्ट के फेसले का स्वागत किया व संघ परिवार द्वारा संविधान को बदलने कि कोशिशों कि आलोचना कि साथ ही संविधान के महत्व को आमजन को समझाया। विरोध प्रदर्शन मे जिला अध्यक्ष अब्दुल अजीज, इफ्तिखार अहमद, शहादत हुसैन, सलामत हुसैन, अलीम मंसूरी, असलम कालू पार्षद, गुलशेर अहमद, इरशाद अहमद, हाजी अब्दुल वहीद, कदीर मामा सहित सेकड़ो कि संख्या मे कार्यकर्ता व आमजन मोजूद रहे व संचालन प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन रंगरेज ने किया।

भवानीमण्डी पुलिस द्वारा 4 वर्ष से फरार आरोपी को नूह मेवात से किया गया गिरफ्तार

- टॉप 10 में चयनित आरोपी धारा 299 द.प्र.स. मे वांछित फरार था आरोपी

फिरोज खान वारसी-
झालावाड़(रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने 30 नवंबर 2024 को बताया कि वांछित अपराधीयो की गिरफ्तारी हैतु समस्त थानाधिकारियों को दिये गये निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन मे प्रेम कुमार चौधरी वृताधिकारी वृत भवानीमण्डी व थानाधिकारी रमेश मीणा पु०नि० थाना भवानीमण्डी के निकटतम सुपरविजन मे पुलिस थाना भवानीमण्डी ने नेतृत्व मे धारा 299 द.प्र.स. व टॉप टेन में वांछित,एक आरोपी को गिरफतार करने में मिली सफलता-घटनाक्रमः- दिनांक 10.04.2021 को प्रार्थी संजय गुप्ता पुत्र राधेश्याम गुप्ता जाति महाजन आयु 53 वर्ष निवासी न्यू पंजाब नेशनल बैंक के सामने भवानीमण्डी थाना भवानीमण्डी ने उपस्थित थाना होकर एक लिखित रिपोर्ट इस आसय की पेश की प्रार्थी फरम संजय कुमार पुरुषोत्मदास के नाम से भवानीमण्डी कृषि उपजमण्डी समिति मे कृषि जिन्स का व्यापार करता है। प्रार्थी दिनांक 02.04.2021 को रात्री में 465 कट्टे चने के ट्रक भरा था। प्रति कट्टा 53.65 किलो का था। यह वाहन श्री अम्बिका रोड लाईन्स, झालरापाटन से आया था। और ट्रांसपोर्ट मालिक का नाम दिनेश चौरसिया है।

यह वाहन चने के कट्टे लेकर यशम्बा इन्टरप्राईजेज 44/1 लाईन्स रोड, इण्डस्ट्रीज एरिया दिल्ली लेकर जा रहा था। जहां पहुंचने में सामान्यतया 3-4 दिनों में पहुंच जाता है लेकिन प्रार्थी द्वारा भेजा गया उक्त चने का ट्रक आज तक दिल्ली नही पहुंचा है। माल का वाहन ट्रक नम्बर HR,74A7325 के द्वारा किया गया था। तथा बिल्टी में ट्रक ड्राईवर के मोबाईल नम्बर 9728098829 है। जो लगातार स्विच आफ आ रहा है। प्रार्थी को अब आशंका हो चली है कि उसका माल बदनियति से ही खुर्द बुर्द कर दिया गया है। माल की कुल कीमत 12,35,025/- रूपये है। रिपोर्ट के साथ बिल्टी व बिल की फोटो प्रति संलग्न की जा रही है। प्रार्थी द्वारा कई बार ट्रांसपोर्ट कम्पनी को भी फोन किया लेकिन वहां से भी कोई संतोषजनक जवाब नही मिल पा रहा है। तथा ट्रक ड्रायवर हिमरान का मोबाईल स्वीच आफ आ रहा है। अत श्रीमान के समक्ष रिपोर्ट पेश कर निवेदन है कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अविलम्ब आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जावे। इत्यादि पर प्रकरण संख्या 186/2021 धारा 420,406,120 बी भादस में दर्ज किया जाकर अनुसंधान किया गया। दौराने अनुसंधान 1. रहीश खान पुत्र दीन मोहम्मद जाति मुसलमान उम्र 28 वर्ष निवासी गड़ूरी पुलिस थाना नगीना जिला मुँह राज्य हरियाणा 2. लालचंद उर्फ लाला पुत्र मन्नाराम जाति मीणा उम्र 40 वर्ष निवासी नीम डाली की ढाणी चावण्ड का मंड लाल बास जयपुर हाल रामकरण कोलोजी आमेर रोड जयपुर पुलिस थाना आमेर जिला जयपुर 3. इमरान उर्फ बावला पुत्र रुजदार जाति मुसलमान निवासी गंडुरी पुलिस थाना नगीना जिला मुंह राज्य हरियाणा 4 मौहम्मद इमरान पुत्र ताहिर हुसैन जाति मेव मुसलमान उम्र 40 साल निवासी गन्डुरी थाना नगीना जिला मुंह मेवात हरियाणा को पूर्व में गिरफतार किया जा चुका है।

धारा 299 सीआरपीसी व टॉप टेन में वांछित फरार मुलजिम किफायत उर्फ किफा पुत्र फजरूदीन उर्फ फजरू जाति मेव मुसलमान उम्र 37 साल निवासी गड़ूरी पुलिस थाना नगीना जिला नूह राज्य हरियाणा को कल दिनांक 29.11.2024 को थाना हाजा की गठित टीम द्वारा सीआईए टीम नूह हरियाणा के सहयोग से नूह हरियाणा से गिरफतार किया गया है।

गिरफ्तार मुलजिम विवरणः-
एक किफायत उर्फ किफा पुत्र फजरूदीन उर्फ फजरू जाति मेव मुसलमान उम्र 37 साल निवासी गड़ूरी पुलिस थाना नगीना जिला नूह राज्य हरियाणा-
थाना स्तर टीमः-एक - रमेश मीणा पु०नि०, थानाधिकारी थाना भवानीमण्डी टीम प्रभारी
2- लटूर लाल स०उ०नि०- अनुसंधान अधिकारी
3- शेरसिह हैड कानि0 970- टीम सदस्य-
4-अशोक कुमार हैड़ कानि0 786 साइबर एक्सपर्ट
5-मुकेश कुमार कानि0 1329 - टीम सदस्य
6- नवीन कुमार कानि0 1372- टीम सदस्य
7-सुभाष ए/30 इंचार्ज सीआईए नूह हरियाणा
8- प्रदीप पीसी 566 सीआईए नूह हरियाणा
9- मनोज पीसी 804 सीआईए नूह हरियाणा
10- शक्तावत पीसी 363 नूह हरियाणा

डॉ मजीद कमांडो की बेटी नवीदा मलिक को मिली पीएचडी की उपाधि

-सांसद दुष्यंत सिंह ने दी नवीदा को बधाई

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। किशनगंज कस्बा निवासी नवीदा मलिक ने सहरिया जनजाति के सामाजिक आर्थिक और भौगोलिक स्थिति पर शोध कार्य पूर्ण किया। जिस पर कैरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी कोटा की ओर से उन्हें पीएचडी की उपाधि दी गई। नविदा मलिक भारत माता संस्थान के चेयरमैन डॉक्टर मजीद मलिक कमांडो की पुत्री व भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला सयोंजक डॉक्टर अरमान मलिक की बहन है। उन्होंने डॉक्टर हनीफ के निर्देशन में शोध कार्य किया। वही नवीदा बास्केटबॉल की राष्ट्रीय खिलाड़ी भी रह चुकी है। नविदा के पीएचडी उपाधि हासिल करने पर सांसद दुष्यंत सिंह, किशनगंज विधायक डॉ ललित मीणा, मनोज चौधरी, नाथू लाल नागर, डॉक्टर विजय सिंह, सी एल सुमन, रमेश नागर, मुकेश राठौर, डॉक्टर मूलचंद शर्मा, शारीरिक शिक्षक सुनील शर्मा सहित कई शिक्षाविदों ने खुशी जताई। वहीं भारत माता कॉलेज में आयोजित अंतर महाविद्यालय एथलीट प्रतियोगिता के दौरान गुरुवार को अभिनंदन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, करियर प्वाइंट कॉलेज के प्रोफेसर डॉक्टर आशीष जोरासिया सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी ओर कोच मौजूद रहे।

शायर रईस फैजी के बेटों की शादी मे पूर्व विधायक सहित कई गणमान्य लोग हुए शरीक

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व प्रदेश सचिव शायर रईस फैजी के बेटे फिरोज खान व शादाब खान की शादी शहर के निजी रिसोर्ट में संपन्न हुई। दावत ए वलीमा में जिले सहित बाहर से भी कई मेहमानों ने शिरकत कर दूल्हा दुल्हन को नेक दुआओं से नवाजा। प्रमुख मेहमानों में पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ मजीद मलिक कमांडो, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष निजामुद्दीन खान, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन जाकिर मंसूरी, अंजुमन सदर माजिद सलीम, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद कुंडी, बैंक मैनेजर अलसार खान भाटी, सीसवाली चेयरमैन एम. इदरीस खान, पूर्व हज कमेटी चेयरमैन हाजी लियाकत अली मेव, समाजसेवी शेख बहादुर, देशवाली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष मो. हनीफ खत्री, इरफान गॉड , हाजी शफीक पूर्व उपाध्यक्ष देशवाली चौरासी पंचायत, फारूक तंवर, डीसीसी उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, बनवारी मीणा, इत्तेहाद ए बाहमी सदर एहतिशाम उद्दीन सिद्दीकी, रईस पलयथा, रिटायर्ड एसएचओ अनवर अली, इस्लाम अली पठान, टी आई हरलाल मीणा, मोहम्मद हुसैन मुहिम खिदमतगार, हाजी नासिर मिर्जा, पत्रकार लईक भाई, शुजाउद्दीन भाई, टीकम शाक्य, कोटा वक्फ कमेटी के पूर्व डिप्टी चेयरमैन बंटी भाई, अशफाक मलिक, अजीम पठान कवाई, शायर डॉक्टर शाकिर नज़र , वरिष्ठ पार्षद शिवशंकर यादव, परवेज खान, जाकिर खान, हस्सान खान, युवा नेता शाहिद इकबाल भाटी, रईस गॉड, डीसीसी सचिव हेमलता सोन, जाकिर खिलजी, अजीज अंसारी, साबिर खान राजीव गांधी ब्रिगेड, सहित अन्य लोग उपस्थित हुए।

अलीम मंसूरी अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी बारां तहसील सदर निर्विरोध निर्वाचित

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी जिला बारा की तहसील बारां के लिए सदर पद का निर्वाचन हुआ। प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद वासिद ने बताया कि निर्वाचन अधिकारी मुफ्ती मोहम्मद उमर मजाहिरी के नेतृत्व में उनकी टीम ने चुनाव करवाया। अंजुमन मैरिज हॉल बारां में तहसील के तमाम प्रमुख मुस्लिम जन एकत्रित हुए और चुनाव प्रभारी ने अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी बारां की तहसील बारां के लिए सदर पद की निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराई। निर्वाचन प्रक्रिया में कुछ नाम आए और कुछ वापस हुए अंत में अलीम मंसूरी एकमात्र नाम रह गया अतः अलीम मंसूरी को निर्वाचन अधिकारी मुफ्ती मोहम्मद उमर मजाहिरी ने निर्विरोध तहसील बारां अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी का सदर घोषित किया। अंजुमन इत्तिहाद ए बाहमी जिला बारा के सदर अहतशाम उद्दीन सिद्दीकी ने नव-निर्वाचित सदर अलीम मंसूरी को बधाई देते हुए अपनी कार्यकारिणी बनाने के निर्देश दिए। प्रोग्राम में उपस्थित लोगों ने अलीम मंसूरी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वही शहर के मुस्लिम युवाओं ने अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के तहसील सदर बनने पर अलीम मंसूरी का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। स्वागत करने वालों में वसीम अंसारी, शोएब अख्तर, मोहम्मद अशरफ, आफताब चिश्ती, साजिद भाई,अनस पठान, अफरीदी अंसारी, मोहम्मद बिलाल, समीर अंसारी, सामी खान, सलमान खान भूरू, सिराज भाई आदि लोग मौजूद रहे।

सांकड़ चौकी प्रभारी हैंड कांस्टेबल किशनाराम 25 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- दर्ज मुकदमे में मदद के एवज में मांगे थे 50 हजार, सिरोही एसीबी टीम ने की कार्रवाई

सांचौर(रॉयल पत्रिका)। मारपीट के मामले में आरोपी पक्ष को सहयोग करने का आश्वासन देने के बाद उससे 25 हजार रूपए की रिश्वत लेते सांकड़ चौकी प्रभारी हैंड कांस्टेबल किश्नाराम को एसीबी टीम सिरोही ने एएसपी रामेश्वरलाल के निर्देशन में ट्रेप किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि मेहरड़ा के निर्देशन में शिकायत के बाद इस कार्यवार्र को अंजाम दिया गया। एक दिन पूर्व ही किशनाराम ने 5 हजार रूपए की रिश्वत राशि किसी अन्य के खाते में ट्रांसफर करवाई थी।

शिकायत का सत्यापन होने के बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आरोपी से 25 हजार रूपए रिश्वत राशि के साथ किशनाराम को सांचौर थाना परिसर से ही दबोचा गया। मामले में मारपीट के इस मामले में आरोपी पक्ष को रिमाड़ पर नहीं लेने, हथियारबरामदगी नहीं करने की एवज में इस रिश्वत की डिमांड की गई थी। मारपीट का यह मामला करीब एक माह पुराना बताया जा रहा है।

फ़िज़ूलख़र्ची के इस दौर में सादगी से निकाह कर समाज मे मिसाल पेश की

शब्बीर हुसैन

कोटा(रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज की सबसे बड़ी बिरादरी पंचायत अंसारियान समिति के अध्यक्ष,ऑल इंडिया सीरत कमेटी के अध्यक्ष,अल-फ़लाह एजुकेशनल ट्रस्ट के फाउंडर मेम्बर एवं सहारा एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन लियाक़त अंसारी के पुत्र मोहम्मद शादाब अंसारी का निकाह बोरखेड़ा निवासी इरम इक़बाल के साथ शनिवार 30 नवंबर को सादगी के साथ अमृत नगर मस्जिद में सम्पन्न हुआ। निकाह शहर काजी जुबेर अहमद साहब ने पढ़ाया। लियाक़त अंसारी कई सामाजिक संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते है,,उन्होंने समाज मे मिसाल पेश करते हुए पूर्ण सादगी से बिना कोई निकासी बिना किसी बारात बिना कोई आतिशबाजी एवं गाजे-बाजे के निकाह शरीयत के अनुसार मस्ज़िद में अदा किया।उन्होंने बताया कि शादी से पूर्व घर मे होने वाली हल्दी,मेहंदी की रस्म भी नही की गई, और ना ही लड़की वालों के घर कोई दावत इंतेज़ाम किया गया और ना ही लड़की वालों से किसी तरह का दहेज़ लिया गया। समाज मे फैली कुरीतियों एवं दहेज़ प्रथा के खिलाफ ये निकाह बिल्कुल सादगी से सम्पन्न हुआ। दुल्हन इरम इकबाल के वालिद डॉ इकबाल सिद्दीकी ने बताया कि समाज मे फैली कुरूतियों को समाप्त करने के लिये हम दोनों परिवारों ने जो वादा लिया था आज वो पूरा हुआ इसमें समाज के लिये स्पस्ट संदेश है कि इच्छा शक्ति हो तो अमीर हो या गरीब वो समाज की कुरूतियों को दूर कर सकता है,और आज का निकाह इसकी बेहतरीन मिसाल है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से ग्रामीणों को मिली राहत

बारां (रॉयल पत्रिका)। ग्राम ब्रजनगर में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार 29 नवंबर को प्रशासन और पुलिस के संयुक्त सहयोग से अतिक्रमण हटाने की महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। इस अभियान में अभय राज सिंह, तहसीलदार किशनगंज, गणेश खंगार, नायब तहसीलदार नाहरगढ़, अशरफ अली, भू-अभिलेख निरीक्षक रेलावन, इमरान खान, पटवारी रामगढ़, श्रीमती सावित्री सहरिया, पटवारी ब्रजनगर, तथा थानाधिकारी, पुलिस थाना किशनगंज, मय जाप्ता सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। साथ ही, ग्राम पंचायत ब्रजनगर के सरपंच ने भी मौके पर उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। तहसीलदार ने बताया की कार्यवाही के दौरान पाया गया कि यह मार्ग मात्र सात-आठ फीट चौड़ा था, जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली के आवागमन में ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। यह सड़क चारागाह भूमि से होकर गुजरती है। सीमांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद इस रास्ते को 30 फीट चौड़ा किया गया। उन्होंने कहा की ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध करवाई गई तीन जेसीबी मशीनों की सहायता से अतिक्रमण में आ रहे पत्थरों, बाढ़, और झाड़ियों को हटाया गया। इसके पश्चात मार्ग को पूर्ण रूप से खुलवाकर ग्रामीणों के लिए सुगम बनाया गया।

सांचौर जिला क्षेत्र में बीमा कम्पनी के बहिष्कार को लेकर गांवों में जनसम्पर्क

साँचोर(रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बीमा कम्पनी द्वारा वीगत तीन सीजन में कम्पनी द्वारा किसानों के साथ की जा रही धोखाधड़ी को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्ववान पर विभिन्न गांवों में किसान मोर्चा प्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र में काम कर रही बीमा कम्पनी के बहिष्कार को लेकर जनसम्पर्क अभियान तेज किया। संयुक्त किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ईशराराम विश्नोई ने बताया कि इस वर्ष रबी 2024 में बीमा कम्पनी से बीमा नहीं करवा कर कम्पनी का बहिष्कार करने के लिए गांवों में जनसम्पर्क अभियान ने जोर पकड़ा है। इसी सिलसिले में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा राजस्थान मरूधर ग्रामीण बैंक चितलवाना, भारतीय स्टेट बैंक चितलवाना, दी जालौर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक चितलवाना, ग्रामीण बैंक हाडेचा में शाखा प्रबंधको को पत्र देकर मांग की किसानों की लिखित सहमति के बिना किसानों के बीमा नहीं काटने की हिदायत दी गई। क्षेत्र के किसानों से भी आह्ववान किया। इस वर्ष 2024 का धोखाधड़ी करने वाली कम्पनी से बीमा नहीं करवाया जाए। इस बीमा कम्पनी ने पूर्व में तीन सीजन के करोड़ों रूपया बीमा क्लेम को रोक दिया गया है। किसानों के खरीफ 2023, रबी 2023 का बीमा क्लेम बकाया है। रिलायंस बीमा कम्पनी के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले भी दर्ज हो चुके है। विरदसिंह चौहान ने बताया कि बीमा कम्पनी के धोखाधड़ी के मामले उजागर होने के बाद सांचौर क्षेत्र के कई ग्राम पंचायत के सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों और जिला परिषद सदस्यों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बीमा कम्पनी को रिजेक्ट करने की मांग की है। क्षेत्र के किसानों में बीमा कम्पनी के खिलाफ भयंकर आक्रोश को देखते हुए बहिष्कार की जानकारी हेतू विभिन्न गांवों में किसाना मोर्चा द्वारा जन्न सम्पर्क किया जा रहा है। इसके तहत सिवाड़ा, चितलवाना, सादूल की दाणी, रतनपुरा, आमली, हाडेचा, सहित कई गांवों में किसानों से सम्पर्क कर बहिष्कार की जानकारी दी। किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों में ईशराराम विश्नोई, विरदसिंह चौहान, सुरेश खिलेरी चितलवाना, महेन्द्र सिंह, भाखराराम गौदारा चितलवाना, धनदान चारण सिलोसण सहीत किसान नेता गांवों में जनसम्पर्क कर रहे है .

कोट वाले बाबा का 2 दिवसीय उर्स सम्पन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। हजरत बाबा सय्यद नूर अली शाह मदारी रहमतुल्लाह अलैह कोट वाले बाबा रामतलाई मैदान कोटा में 2 दिवसीय उर्स संपन्न हुआ। उर्स कमेटी सदर इरफान खिलजी ने बताया कि बुधवार को 9 बजे कुरान ख्वानी से शुरुआत हुई शाम को चादर पेश की गई उसके बाद लंगर फिर कव्वाली का प्रोग्राम हुआ।

प्रोग्राम में मुख्य रूप से सोनू कुरेशी उप महापौर नगर निगम कोटा उत्तर, सोनू अब्बासी पार्षद, अमीनुद्दीन SP आफिस, जरगाम अहमद पूर्व मनोनीत पार्षद, हाजी शुजाउद्दीन अंसारी (सदर,अंजुमन अंसार ट्रस्ट), एड. नवीद अशफ़ाक रज़ा भाईजान (संयोजक आल राजस्थान जुलाहा अंसारी समिति), हाजी मुख़्तार अंसारी (जनरल सेक्रेट्री आल राजस्थान जुलाहा अंसारी समिति), हाजी अनवर अंसारी (खजांची आल राजस्थान जुलाहा अंसारी समिति), साबिर खिलजी (सदर अल्फ़लाह वेलफेयर सोसाइटी), हाजी समीउल्लाह बिल्डर, समाजसेवी जावेद इकबाल अंसारी, वरिष्ठ भाजपा नेता साजिद जावेद, उमर cid पूर्व पार्षद, मोहम्मद सलीम अंसारी (सदर दारुल उलूम रज़ा ए मुस्तफा विज्ञान नगर), सईद हकीमी (सदर इस्हाकिया मस्जिद), अब्दुल कलीम अंसारी, सुल्तान खिलजी, मुख़्तार खिलजी, ठाकुर नैन सिंह, अशफ़ाक अंसारी सकतपुरा, सलीम खान खेड़ली, जॉनी राईन, दरगाह के सरपरस्त गद्दीनशींन अनवार अहमद खान, खजांची मोहम्मद रशीद, शादाब अहमद, मोहम्मद इब्राहिम, रियाजउद्दीन अंसारी, जमील अब्बासी,फारुख अंसारी, मोहम्मद अल्ताफ, मोहम्मद अली आदि सभी लोगों ने शिरकत कर उर्स को कामयाब बनाया।

किशनगढ़ को मिली ऐतिहासिक सौगात, 100 बेड का ईएसआईसी अस्पताल निर्माण कार्य को मिली स्वीकृत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मार्बल नगरी किशनगढ़ को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्र सरकार द्वारा पूर्व में घोषित 100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल के निर्माण के लिए भूमि आवंटन का महत्वपूर्ण निर्णय शनिवार को राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक में लिया गया है। यह अस्पताल राजस्व ग्राम किशनगढ़ बी में 20,300 वर्गमीटर भूमि पर बनेगा, जिससे क्षेत्र के 20,000 से अधिक बीमित श्रमिकों और कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा। क्षेत्रवासियों ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने किया अस्पतालों का निरीक्षण, जांची व्यवस्थाएं, दिए आवश्यक निर्देश

पाली(रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एल. एन. मंत्री ने शुक्रवार को मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों, का निरीक्षण किया तथा इन अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी तथा चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री शुक्रवार को मारवाड़ जक्शन क्षेत्र के जाडन गांव पहुंचे तथा वहां पर संचालित हो रहे राजकीय आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाडन पहुंचे। वहां पर उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया तथा उपस्थिति पंजिका को भी देखी। साथ ही अस्पताल में मरीजों को मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ. जसवंतसिंह व स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिए। यहां से जिला कलेक्टर सीधे मारवाड़ जक्शन में संचालित हो रहे राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मारवाड़ जक्शन पर भी निरीक्षण किया तथा अस्पताल में दवाओं एवं मरीजों के बारे में चिकित्सा अधिकारी डॉ.बीडी नाहर से जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। इन अस्पतालों में साफ सफाई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

उमराह सफर: मक्का मदीना की यात्रा पर जाने वाले यात्रियों का किया माला पहनाकर इस्तकबाल

सोजत(रॉयल पत्रिका)। उमराह के मुकद्दस सफर इस्लाम धर्म के पवित्र तीर्थ मक्का मदीना जाने लिए अकीदत मंद लगातार प्रस्थान कर रहे हैं। निकटवर्ती मारवाड़ जंक्शन के ख्यातनाम शायर, वीर रस के कवि साबिर मोहम्मद सागर व उनकी पत्नी खातून बानो उमराह यात्रा के लिये रवाना हुए। उमराह यात्रियों को विदाई देने के लिए हिन्द और मुस्लिम समाज के लोगों की भीड़ लगी। उन्होंने फूलों की मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उन्हें रवाना किया। एडवोकेट अजरूद्दीन ने बताया कि उमराह यात्रियों से लोग खास दुआ व पैगंबर-ए-आज़म हज़रत मोहम्मद साहब के दरबार में सलाम पेश करने की दरख्वास्त करते हुए नज़र आ रहे हैं। वहीं मोहल्ले की हिन्दू महिलाओं ने मंगल गीत गाकर व कवि सागर के सर पर हाथ फेरकर आर्शीवाद दिया व देश में अमन-चैन आपसी मोहब्बत भाईचारा एकता और खुशहाली की दुआएं मांगने की दरख्वास्त की। इस अवसर पर एडवोकेट निसार खान, निजाम खान अब्दुल सलीम, बाबू खान शमशाद बानो, रुब्बीना, हीना, चेनाराम प्रजापत मांगू सिंह, शंकर लाल प्रजापत, शिवलाल प्रजापत, मोतीनाथ, सोहनलाल प्रजापत, अबरार खान मेव, मोहम्मद हारून पठान, मोहम्मद हनीफ कुरेशी, बशीर मोहम्मद रंगरेज, मोहम्मद सलीम उर्फ पोपट, भंवर खान मुगल, महबूब खोखर, सद्दाम हुसैन मुगल, मीठालाल देवड़ा, नगेंद्र गुर्जर, सुरेश सेन, नीलोफर, पुष्पा प्रजापत, चंपाबाई, लीला प्रजापत, मोहम्मद इम्तियाज, शेर खान, साजिद खान आदि कहीं हिंदू मुस्लिम महिलाएं पुरुष उपस्थित थे।

उमराह पर जाने वाले यात्रियों का किया इस्तकबाल

सोजत(रॉयल पत्रिका)। सामाजिक एवं साहित्यिक संस्था शबनम साहित्य समिति के तत्वावधान में उमराह यात्रा सऊदी अरब के मक्का शरीफ और मदीना शरीफ पर जाने वाले जन्नत बानो का विशेष इस्तकबाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष प्रबंध निदेशक अब्दुल समद राही के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन सिलावट मोहल्ला स्थित राही मंजिल के अतिथि सभागार में किया गया, जिसमें संस्था के प्रमुख सदस्य और गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहे।संस्था की रिहाना रानू ने जन्नत बानो को मोतियों की माला और शाल ओढ़ाकर इस्तकबाल किया। जन्नत बानो और और उनके पति मोहम्मद खुर्शीद सिसोदिया को उमराह की इस पवित्र यात्रा के लिए मुबारकबाद दी। इस अवसर पर संस्था सदस्य सीमा परवीन, जाहिदा बानो, शबनम टाक, मदीना बानो, रिजवाना वाजिद, साहिदा बानो, मोहम्मद उमैर, अलफेज टाक आदि कई लोग मौजूद थे।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में मनाया गया विश्व एड्स दिवस

उदयपुर(रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि हॉस्पिटल में 1 दिसंबर 2024 को एड्स डे का आयोजन किया गया।

जिसमें डॉ अभिजीत बासु प्रोफ़ेसर नोडल ऑफिसर, डॉ नवनीत माथुर एआरटी एसएमओ, डॉ कल्पना गुप्ता नोडल ऑफिसर एसटीआई क्लिनिक, डॉ मेधा शर्मा नोडल ऑफिसर आईसीटीसी, डॉ अवंतिका सिंह एमओ एआरटी, डॉ अतुल लुहाडिया एनटीइपी नोडल ऑफिसर, डॉ रवि मांगलिया एमडी मेडिसिन द्वारा उपस्थित सभी लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंजलि डेविड, पूजा, सुनीता गुप्ता, नरेंद्र सेठिया, अमित द्वारा किया गया।

नुक्कड़ नाटक का हुआ मंचन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व एंटीमाइक्रोबियल अवेयरनेस सप्ताह के उपलक्ष्य में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल उदयपुर के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा फतेहसागर की पाल पर एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। जिसके माध्यम से लोगों को दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के कारणों को और इससे बचने के उपायों को सरल भाषा में आम जनता को समझने का प्रयास किया गया।आज के समय में जब हम हर परिस्थिति में हर बीमारी में बिना डॉक्टरी सलाह के एंटीबायोटिक का सेवन कर लेते हैं तो कैसे वो हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाती है और फिर सही समय पर जरूरत पड़ने पर कोई एंटीबायोटिक काम नहीं आती है यही इस नाटक के द्वारा बड़े हो मजेदार ढंग से गीतांजलि के डॉक्टर्स द्वारा प्रस्तुत किया गया

दारुल उलूम मदरसा सैयदना तोकीर उलूम में वार्षिक समारोह संपन्न हुआ

- न हिंदू बनो, न मुसलमान बनो सबसे पहले इंसान बनो:-हजरत सैयद महमूद अशरफी (मुस्लिम धर्मगुरु)

चूरू(रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद अली पठान जिला मुख्यालय पर सैनिक बस्ती स्थित मदरसा दारुल उलूम तोकीर हसन चिश्ती का वार्षिक समारोह में मुस्लिम धर्मगुरु सैयद महमूद अशरफ ने कहा न हिंदू बनो न मुसलमान बनो पहले इंसान हो इंसान की औलाद बनो। इंसानियत से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता आपने कहा दीन और दुनिया दोनों की पढ़ाई जरूरी है जब ही जाकर हम कामयाब होंगे। इस मौके पर मदरसा से जिन छात्रों ने तालीम मुकम्मल की उनकी दस्तार बंदी की गई और उन्हें डिग्रियां प्रदान की गई। 18 छात्रों को हाफिज, कारी, आलिम की डिग्री से नवाजा गया। आसपास के जिलों से आए हुए आलिमों ने शिरकत की।वहीं उत्तर प्रदेश से आए

मुफ्ती मोहम्मद मोइनुद्दीन अशरफी मिस्बाही ने अपनी तकरीर में रसूल अल्लाह सल्लल्हु वल्लम की सुन्नतों पर अमल करने को कहा। इस अवसर पर हाजी सादुल्लाह खा, सदर हाजी उस्मान गनी दिलावर खानी, मुफ्ती सिकंदर ए आज़म,हाफिज अब्बास, मौलाना शहाबुद्दीन, हाजी जमालुद्दीन, मौलाना अनीस रजा ,मोहम्मद अली पठान,सलीम खान सर्वा, मुख्तियार खान, नूर मोहम्मद खान, मोहिउद्दीन मास्टर, सलीम खान,साबिर खान, इदरीश खान, आदि सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे। जलसा देर रात्रि तक रहा।आखिरत में सलातो सलाम पढ़ा गया और देश भर के लिए अमन चैन की दुआएं की गई। कार्यक्रम का संचालन मौलाना अब्दुल गफ्फार ने किया।

फजीलत - ए -इल्म कॉन्फ्रेंस वार्षिक दीक्षांत समारोह मदरसा मदीना तुल उलूम मे संपन्न हुआ

- इल्म - एक नूर है - मौलाना अलीमी

मोहम्मद अली पठान

चुरू(रॉयल पत्रिका)।जिला मुख्यालय पर प्रथम अरेबिक - युनिवर्सिटी मरकजी मदरसा मदीना तुल- उलूम के वार्षिक दीक्षान्त समारोह में फजीलत -ए-इल्म कान्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी ने बताया की 300 वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में मदरसा मदिना तुल -उलूम चूरू का प्रथम शिक्षा का केन्द्र रहा जहां, अरबी, फारसी उर्दू, हिन्दी ,अंग्रेजी शिक्षा दी जाती है। यहा पूर्व में इसमे सभी धर्म कर्म विद्वान लोगों ने फारसी भाषा का ज्ञान अर्जीत किया। तत्पश्चात हैदराबाद के मौलाना शागील इमाम ने सिरतुन्नबी पर संबोधित किया। इसके बाद मुख्य वक्ता कोलकाता से आमत्रित मौलाना शफीउल्लाह अलीमी ने इस्लाम और विज्ञान पर सार गर्भित सम्बोधन किया एवं ओलिया-ए-किराम सुफीयों के

मानवता के लिए किये गये कामो पर कैसे मानवता के उत्थान के लिए अपने पुरे जीवन को त्याग किया इस पर विस्तारपूर्वक पेशकर हर हाल मे शिक्षा हासिल करने पर बल दिया, उन्होंने कहा इल्म एक नूर है, जहालत अंधेरा है। इस मौके पर 22 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। कई संस्थाओं द्वारा छात्रों को गिफ्ट भेट किया गया। जिसमें सिरोहा फाउण्डेशन, राजवंशी खान महासभा, हिन्दस्तान साइकिल अमीन खान, राणा वेलफेयर, आदि। समारोह की अध्यक्षता शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी ने की सैयद अबरार हुसैन कादरी खानका -ए- कादरी, सैयद गुलाम मुस्तफा क़ादरी, सैयद मंजूर आलम, एडिशनल एसपी अयूब खान, एडवोकेट हकीम अहमद खान, आदि ने शिरकत की संस्था के सचिव हाजी युसूफ खान चौहान, खजांची हाजी फतेह मोहम्मद गोरी, ने सभी का आभार व्यक्त किया। हनुमानगढ़ ,सीकर ,झुंझुनू, बीकानेर जिले से आए हुए हैं मेहमानों का शुक्रिया अदा किया संचालन मौलाना अनीस रजा व मौलाना जमील अख्तर बीकानेरी ने संयुक्त रूप से किया अंत में सलातो - सलाम के बाद दुआएं की गई।

मदरसा गुलशने अदब के बच्चों द्वारा नशे के खिलाफ रैली में उत्साह दिखा

- जोधाणा जागरुक मंच ओर मुस्लिम यूथ कॉर्नर के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्त समाज'

- मूहिम के तहत रेली का आयोजन नशा मुक्त समाज मूहिम पूरे जोधपुर में आयोजन जारी रखेंगे

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरुक मंच संस्थान के सदस्य आसिफ नुरी ने बताया कि संस्थापक साजिद खान दिशा निर्देश पर 'नशा मुक्त समाज' मुहिम के तहत मुस्लिम यूथ कॉर्नर द्वारा संचालित मदरसा गुलशने अदब उच्च प्राथमिक स्कूल ओर जोधाणा जागरुक मंच संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रेली आयोजित कि गई। संस्थापक साजिद खान ने बताया कि यह रैली मदरसे से शुरू होकर काली टंकी, जगदंबा कॉलोनी, भील बस्ती से फेजें आम मस्जिद होते हुए मदरसे में जाकर समाप्त हुई इस मौके पर बच्चों ने नशा नहीं करने का संकल्प लिया। प्रबंध समिति के मोहम्मद राहत हुसैन ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों के हाथों में तख्तियां लिए नारे लगाते हुए प्रताप नगर इलाके में घूमे और स्कूल आकर सभा में तब्दील हुआ

प्रोग्राम। सभा को साजिद खान, राहत हुसैन, मोहम्मद आसिफ नूरी, आसिफ खान सिंधी और मोहम्मद हारुन द्वारा संबोधित किया गया। वक्ताओं ने नशे की बढ़ती कुरीतियों पर प्रकाश डाला और बचाव के उपाय बताए मंच संचालन प्रधानाध्यापक ईदु खान द्वारा किया गया। प्रबंध समिति के लियाकत अली और मोहम्मद राहत हुसैन ने इस मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि नशे में बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी को जागरूकता, अपनेपन एवं दुलार से ही बचाया जा सकता है। छोटे-छोटे बच्चे इस नशे के शिकार हो रहे हैं। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने अभिभावकों से इस ओर ज्यादा ध्यान देने की बात कहीं।

मोहम्मद हारून ने कहा कि इस के मौके पर मुस्लिम यूथ कॉर्नर द्वारा संचालित मदरसा गुलशन अदब प्रबंध कमेटी के लियाकत अली पटवारी, मोहम्मद राहत हुसैन, प्रधानाचार्य ईदु खान, परवेज मुशर्रफ, फरदीन, मौलाना सुब्हान मोहम्मद सिराज जई, जोधाणा के संस्थापक साजिद खान, आसिफ सिन्धी, आसिफ नुरी, मोहम्मद हारुन, इमरान कुरेशी, जाहिद खैरादी आदि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जमील चौहान की माताजी के स्वर्गवास पर पूर्व मंत्री अश्क अली टाक सहित कांग्रेसजनों ने जताया शोक

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता जमील चौहान की माताजी के स्वर्गवास हो जाने पर शनिवार को पूर्व मंत्री अश्क अली टाक सहित कांग्रेस जनों ने चौहान से मिलकर गहरा शोक जताते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। चौहान के निज निवास पर संवेदना व्यक्त करते हुए टाक ने कहा कि ईश्वर की इच्छा के आगे हम नतमस्तक हैं। इस विकट घड़ी में हमें परिवार को संबल देना चाहिए।

शरीर नश्वर है और सही अर्थों में भगवान के आदेश के आगे सिर झुकाते हुए अपनी पीड़ा को बांटकर आसान करना ही अध्यात्म होता है

।दुवाए क़ुरान खानी में मौलाना अब्बास ,मुफ्ती सिकन्दर आज़म मौलाना अनीश अहमद,इमाम हनान अहमद पीर अबरार सैय्यद आदि ने महरूमा

की रूह ए पाक को जंतुल फिरदौस में आला मुक़ाम मिले सके लिए इसके लिए दुआएं की । इस अवसर पर पूर्व सभापति गोविंद महँसरिया, रामगोपाल बहड़,चाँद मोहम्मद छिम्पा , पूर्व प्रधान संतोष तालनिया, वरिष्ठ नेता रियाजत खान,पूर्व प्रधान रणजीत सातड़ा राधेश्याम चोटिया, मोहम्मद अली पठान,पवन कस्वा ,रमज़ान खान ,अबरार खान ,आरिफ पीथीसर,शरीफ़ खान ओलाई, रफीक चौहान, डॉ हर्ष लांबा, हेमंत सिहाग, महेश मिश्रा, ओबीसी जिला अध्यक्ष नारायण बालान ,सीताराम खटीक,जिला नायक महासभा अध्यक्ष रामेश्वरलाल नायक, राकेश पंवार, अशोक पंवार एडवोकेट राजेंद्र राजपरोहित ,एडवोकेट सुरेश कल्ला यूनुस अली राजा ,इकराम अरमान ,नदीम सिरोहा, पत्रकार ,व्यपारी वर्ग अधिकारी गण सहित ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

जिला कायमखानी समाज की मीटिंग कायमखानी हॉस्टल में संपन्न हुई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित कायमखानी हॉस्टल में समाज की बैठक हुई जिसमें कामयखानी समाज द्वारा अहम निर्णय लिए गये।

1 महासभा से संबंधित सभी लोगों को एक माह में कार्य कर चुनाव की घोषणा करनी होगी।

2 यदि 31.12.2024 तक संबंधित व्यक्ति/संयोजक/कोर समिति/ अन्य कोई चुनाव की घोषणा करने में असमर्थ रहते हैं तो चूरू के कायमखानी समाज की ओर से उक्त सभी को शून्य/अप्रभावी/ अमान्य करार दिया जाएगा।

3. चूरू जिले के सभी सदस्य जिन्होंने रसीद कटवा कर सदस्यता ग्रहण की है के माध्यम से अस्थाई कार्यकारिणी (विधिक रूप से

गठित कार्यकारिणी के गठन तक) का गठन वोटिंग/चयन के माध्यम से करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी जायेगी।

4. संबंधित व्यक्तियों से बातचीत हेतु मुंशी खान चांदखानी की अध्यक्षता में 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। मुंशी खान चांदखानी,मजीद खान राणासर ,बशीर खान आसलु , शमशेर भालू खां ,इलियास खान झारिया, महमूद खान एलमान,हबीब खान मलवाण, आसिफ खान एलमान,आरिफ पीथीसर, जंगशेर खान पीथीसर, महबूब खान नशवाण, आमीन खान , रफीक खान राजपुरा,नजीर खान कालावासिया ,संजय खान घाघू

इस मौके पर सभी उपस्थित जनों ने सर्व सहम्मति से निर्णय पारित किया। समस्त उपस्थित कायमखानी समाज का मुंशी खा चांदखानी ने आभार व्यक्त किया

जोधाणा जागरुक मंच संस्थान का हुआ विस्तार

जोधपुर(रॉयल पत्रिका)। जोधाणा जागरूक मंच ने प्रदेश स्तर का गठन कर इंसाफ अली को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया संस्था के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि नवीन जोधाणा जागरुक मंच संस्थान की बेठक हाजी मोइनुद्दीन अशरफी की सरपस्ती में हज हाउस में आयोजित हुई। जिसमें इंसाफ अली भाईजान को प्रदेश अध्यक्ष, आसिफ नुरी को कार्यवाहक अध्यक्ष, शोकत कुरैशी, मोहम्मद इमरान, इकबाल नूरी, को उपाध्यक्ष इफ्तिखार खान को सचिव नदीम शाह को सोशल मीडिया प्रभारी, नईम खान को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया और सभी नियुक्त पदाधिकारीयो को माला साफा पहनाकर स्वागत किया।

इस मौके पर इंसाफ अली भाई जान ने संस्था को तमाम मेम्बरो का शुक्रिया अदा करते हुए संकल्प लिया कि वह संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और संस्था

को आगे बढ़ाने का काम करेंगें। मीटिंग को संबोधित करते हुए हाजी मोइनुद्दीन अशरफी ने 'नशा मुक्त समाज और शिक्षा के साथ अच्छे अख्लाक मूहिम को जारी रखने का संकल्प दिलाया।

मंच संचालन संस्थापक साजिद खान ने किया और अंत में इमरान कुरैशी ने सबका शुक्रिया अदा किया। इमरान कुरैशी ओर मोहम्मद हारुन ने बताया कि इस मौके पर हाजी मोइनुद्दीन अशरफी, महबूब आलम बबली, मोहम्मद सदीक राजू, साजिद खान, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद इरफान कुरैशी, नसीम अली, इमरान कुरैशी, शकील अहमद, मोहम्मद हारून, राजु खान, अजीज पठान, मोहम्मद रहीम, अतीक सिद्दीकी, मोहम्मद सलीम मुन्ना, इफ्तिखार खान, शौकत कुरैशी, बादशाह खान, तरुण सोनी, फिरोज फेम, अमजद खान, मोहम्मद जावेद, नूरुद्दीन, आफताब शेख, मोहम्मद यासीन, इब्राहिम, अराफात पठान, नईम खान, मोहम्मद शाहरुख, नफीस, उस्मान, अश्फाक, इमरान सोलंकी, मोहम्मद समीर आदि उपस्थित रहे

कौम अब्बासियान के चुनाव 10 दिसम्बर को

जोधपुर(रॉयल पत्रिका)। कौम अब्बासियान (भिश्ती) शेखावाटी-गोरावाटी जुमले संस्था, जोधपुर के त्रिवार्षिक चुनाव आगामी 10 दिसम्बर 2024 को होने जा रहे है। कौम अब्बासियान सदर (अध्यक्ष) मोहम्मद सलीम पंवार ने बताया कि अब्बासी समाज के चुनाव हर तीन साल के बाद सर्वसम्मति से समाज के सभी प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में कराये जाते है। इस बार भी उदयमन्दिर स्थित मदरसा रोशन इस्लामिया में ये चुनाव आयोजित कराये जायेंगे। सचिव बाबू खान अब्बासी ने बताया कि इस बार के चुनाव में चुनाव अधिकारी हाफिज खान तुर्कमान को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि समाजहित में समाज के विकास, कल्याण एवं शैक्षिक उन्नति के लिए हर क्षेत्र में समझ रखने वाले नेक, ईमानदार, निर्भीक एवं सभी को साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति को हमेशा समाज अपनी पहल पसंद से चयन करता रहा है।

डेयरी फार्मिंग से हो रहा आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण

- हिंदुस्तान जिंक की समाधान पहल के तहत घाटावाला माताजी एफपीओ के जरिए आ रहा बदलाव

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। घाटावाला माताजी किसान उत्पादक कंपनी राजस्थान में ग्रामीण डेयरी क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला रही है। उदयपुर के बिछड़ी गांव में वर्ष 2022 में स्थापित, महिलाओं के नेतृत्व वाला यह उद्यम बाजारतक पहुंच, उचित मूल्य और स्थायी आय सुनिश्चित कर डेयरी किसानों के लिए जीवन रेखा बना है। गौयम ब्रांड के तहत, जीएमएफपीओ उच्च गुणवत्ता का ताजा दूध और प्रीमियम डेयरी उत्पाद उपलब्धकरा रहा है, जो ग्रामीण समुदायों के जीवन में सफलता और सकारात्मक बदलाव का उदाहरण है।, देबारी क्षेत्र के आस पास के गांवों के लगभग 1 हजार शेयरधारकों द्वारा संचालित,

जीएमएफपीओसामूहिक उद्यम की शक्ति इसका सशक्त प्रमाण है। यह पहल हिंदुस्तान जिंक के समाधान कार्यक्रम के तहत संचालित हो रही है।

घाटावाला माताजी एफपीओ से जुडी नारायणी डांगी और प्रेम व्यास जैसी सफलता की कहानियां इसके वास्तविक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाती हैं। बिछड़ी की रहने वाली नारायणी नेजीएमएफपीओ को 40 रुपये प्रति लीटर दूध बेचकर आर्थिक परेशानियों को दूर किया, जो पहले उनके द्वारा अर्जित किये जाने वाले 25-30 रुपये प्रति लीटर से काफी अधिक है। प्रेम व्यास और उनके पतिदेवेंद्र ने अपने डेयरी उत्पादन को 10 लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 85 लीटर कर दिया, जिससे उन्हें 40 हजार से लेकर 45 हजार रुपये की मासिक शुद्ध आय प्राप्त हुई। ये उदाहरण बताते है कि किस प्रकारजीएमएफपीओ ने ग्रामीण परिवारों के लिए विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदल दिया है। अपनी स्थापना के बाद से घाटावाला माताजी किसान उत्पादक कंपनी ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल करअब तक 4.17 लाख लीटर से अधिक दूध का प्रसंस्करण किया है, जिससे 2.5 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वार्षिक राजस्व में वित्त वर्ष 2022-23 में 56.43 लाख रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 में 1 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 87.65 लाख रुपये शामिल हैं। इसके उत्पाद, जैसे ए2 बिलोना घी, पनीर और दही, बडे होटल जैसे उद्यमियों और उपभोक्ताओं को बेचे जातेहैं, जिसमें ताज ग्रुप ऑफ होटल्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी शामिल है। मजबूत बाजार संपर्क बनाकर, जीएमएफपीओ किसानों को स्थायी आजीविका प्रदान कर सशक्त बनाता है।किसानों को सशक्त बनाने के लिये प्रतिभागियों को कृषि, पशुधनपालन और स्वच्छ दूध उत्पादन हेतु आधुनिक प्रणालियों से रूबरू कराता है। इस कार्यक्रम से 180 गांवों के 30,000 से ज्यादा किसानपरिवार लाभान्वित हो रहे है, जिससे उनकी आय में निरतंर सुधार हो रहा है। शिक्षा, खेल, कौशल विकास, और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के निर्माण से कंपनी ने राजस्थान और उत्तराखंड के 3,700 गांवोंमें 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

भारत में सीएसआर के तहत सर्वाधिक खर्च करने वाली 10 शीर्ष कंपनियों में से एक हिंदुस्तान जिंक आत्मनिर्भरपारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो समग्र ग्रामीण विकास को आगे बढ़ा रहा है।

सीरिया में तुर्की समर्थित लड़ाकों ने मचाई तबाही

- कुर्दों के गावों को घेरकर बाहर से कनेक्शन काटा, बड़े खून-खराबे की आशंका

दमिश्क(एजेंसी) सीरिया में छिड़े गृह युद्ध में तुर्की समर्थित मिलिशिया ने भी आक्रामकता दिखाई है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्मन राइट्स ने बताया है कि तुर्की समर्थक लड़ाकों ने ताल रिफात शहर और आसपास के कई गांवों पर कब्जा कर लिया है। संस्था ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि उत्तरी अलेप्पो प्रांत में तकरीबन दो लाख सीरियाई कुर्द आबादी को तुर्की समर्थक गुटों ने घेर रखा है। कुर्दों के साथ बड़े स्तर पर अनहोनी की आशंका भी जताई जा रही है। अल मॉनिटर ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि तुर्की समर्थक लड़ाकों ने कुर्द बहुल क्षेत्रों में संचार काट दिया गया है। इससे कुर्दों के 'नरसंहार' की आशंका बढ़ गई है। ऑब्जर्वेटरी ने इससे पहले रविवार को कहा था कि तुर्की समर्थक गुटों ने सरकारी बलों को मार डाला और फिर अलेप्पो प्रांत में कुर्द लड़ाकों पर हमला किया। उन्होंने खासतौर से कुर्द आपूर्ति लाइनों को काटने को लक्ष्य बनाया है।

तुर्की की सीमा के पास लड़ाई

ऑब्जर्वेटरी ने बताया है कि अलेप्पो शहर के उत्तर में कुर्द बलों और तुर्की समर्थक गुटों के बीच झड़प हुई। इसके बाद तुर्की समर्थित समूहों ने सरकारी बलों को पीछे धकेला और अलेप्पो के दक्षिण-पूर्व में सफिरेह और खानसेर शहरों पर नियंत्रण कर लिया। तुर्की समर्थित लड़ाकों ने क्रेरिस सैन्य हवाई अड्डे को भी अपने कब्जे में ले लिया।
सीरिया का ताल रिफात तुर्की की सीमा से 20 किलोमीटर दक्षिण में है। यह जगह तुर्की समर्थित बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच लगातार लड़ाईयां देखता रहा है।साल 2016 में तुर्की बलों और उसके समर्थन से लड़ रहे गुटों नेउत्तरी सीरिया में बड़े पैमाने पर क्षेत्र को नियंत्रित किया है। यहां से लगातार संघर्ष की खबरें आती रही हैं।
सीरिया में विद्रोही गुटों की

सरकारी बलों और आपस में लड़ाई कोई नई बात नहीं है। देश में एक दशक से ज्यादा समय से गृह युद्ध चल रहा है। इस हिंसा में जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। हालिया संघर्ष बीते हफ्ते हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों के अलेप्पो शहर पर हमले और कब्जे के बाद शुरू हुआ है। ये संघर्ष लगातार तेज हो रहा है।

वक्फ संशोधन विधेयक लागू करने से भारत की धर्मनिरपेक्षता एवं एकता पर प्रभाव पड़ेगा: मोहम्मद शोएब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वक्फ संशोधन विधेयक 2024, जिसे हाल ही में संसद में प्रस्तुत किया गया, भारत के वक्फ संस्थानों और उससे जुड़े समुदायों के अधिकारों और स्वायत्तता को कमजोर करने वाला प्रतीत होता है। यह विधेयक न केवल वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को सीमित करता है, बल्कि भारत के संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता और अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन भी करता है। उक्त बात प्रदेश काँग्रेस कमेटी के सचिव मोहम्मद शोएब ने कही। शोएब ने कहा कि वक्फ बिल में किसी तरह का संशोधन स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने विधेयक के कुछ आपत्तिजनक बिंदु साझा किए।

विधेयक के मुख्य आपत्तिजनक बिंदु:

1.क्फ संपत्तियों का अधिग्रहण:
प्रस्तावित संशोधनों में सरकार को वक्फ संपत्तियों पर अधिक अधिकार प्रदान करने का प्रावधान है। यह वक्फ संपत्तियों के मूल उद्देश्य और उनकी संरक्षित स्थिति का उल्लंघन है। वक्फ संपत्तियां धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए होती हैं, और उनका सरकारी अधिग्रहण समुदाय के विश्वास को ठेस पहुंचाएगा।
2. स्वायत्तता पर प्रहार:
वक्फ बोर्ड, जो अब तक स्वतंत्र और स्वायत्त संस्थान रहे हैं, उनके प्रशासनिक अधिकारों को सीमित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह कदम इन संस्थानों की कार्यक्षमता और समुदाय की भागीदारी पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा।
3. सामुदायिक अधिकारों का हनन:
विधेयक में ऐसे प्रावधान हैं जो वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों के समाधान के लिए स्वतंत्र न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इससे अल्पसंख्यक समुदायों की कानूनी सुरक्षा कमजोर होगी।
4. अल्पसंख्यक समुदायों की भावनाओं की उपेक्षा:
यह विधेयक अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों और उनके धार्मिक संस्थानों के प्रति संवैधानिक संरक्षण का उल्लंघन करता है। इससे समुदायों में असुरक्षा की भावना और अधिक बढ़ेगी।

शोएब ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को लागू करने से भारत की धर्मनिरपेक्षता और सामुदायिक एकता पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। हम मांग करते हैं कि इस विधेयक को तुरंत वापस लिया जाए, साथ ही वक्फ बोर्डों और अन्य संबंधित संस्थानों से व्यापक चर्चा और परामर्श किया जाए, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और स्वायत्तता को बनाए रखने के लिए नए विकल्प तलाशे।

ट्रंप ने रूस और चीन के साथ भारत को दी खुली धमकी

वाशिंगटन (पीटीआई)। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति ने शपथ लेने से पहले ही अपनी नई चेतावनी से भारत की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने ब्रिक्स देशों को खुली धमकी देते हुए कहा कि अगर अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने या उसे बदलने का प्रयास किया गया तो वह इन देशों पर 100% टैरिफ लगा देंगे। गौरतलब है कि ब्रिक्स नौ देशों का समूह है, जिसमें भारत भी शामिल है। भारत के इलावा समूह में चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात सदस्य देश हैं। 2009 में गठित ब्रिक्स एकमात्र प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसका संयुक्त राज्य अमेरिका हिस्सा नहीं है। हाल के वर्षों में इसके कुछ सदस्य देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाश रहे हैं या अपनी खुद की ब्रिक्स करेंसी बनाना चाहते हैं। भारत अब तक इस कदम का हिस्सा नहीं रहा है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बिजनेस को अलविदा कहना पड़ेगा

शनिवार को ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को इस तरह के कदम के खिलाफ चेतावनी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, 'यह विचार कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि हम खड़े होकर देखते हैं, खत्म हो चुका है।' ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, 'हमें इन देशों से यह प्रतिबद्धता चाहिए कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन्हें 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा और उन्हें अद्त अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अपनी बिक्री को अलविदा कहना पड़ेगा।'
ट्रंप ने कहा कि वे कोई और मूर्ख ढूंढ सकते हैं! इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा और जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका में 2023 के शिखर सम्मेलन में, ब्रिक्स देशों ने एक नई आम मुद्रा की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी।

ब्राजील ने रखा था प्रस्ताव

इस संबंध में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा द्वारा एक प्रस्ताव रखा गया था। ब्रिक्स के एक महत्वपूर्ण स्तंभ भारत ने कहा है कि वह डी-डॉलराइजेशन के खिलाफ है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कॉर्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में अपनी उपस्थिति के दौरान कहा था, 'मुझे लगता है कि आपने हमें किसी और के साथ भ्रमित कर दिया है, क्योंकि हमने कभी भी डॉलर को सक्रिय रूप से लक्षित नहीं किया है। यह हमारी आर्थिक नीति या हमारी राजनीतिक या हमारी रणनीतिक नीति का हिस्सा नहीं है। कुछ अन्य लोगों ने ऐसा किया हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'मैं आपको जो बताऊंगा, वह एक स्वाभाविक चिंता है। हमारे पास अक्सर ऐसे व्यापारिक साझेदार होते हैं, जिनके पास लेने के लिए डॉलर नहीं होते हैं। इसलिए, अब हमें यह देखना होगा कि क्या हम उनके साथ लेन-देन छोड़ देते हैं या हम कोई ऐसा समझौता करते हैं जो अन्यथा काम करता है। इसलिए, मैं कह सकता हूं कि व्यापार में डॉलर के संबंध में कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं है। हम अपना व्यवसाय करने की कोशिश कर रहे हैं।'
कभी-कभी डॉलर में व्यापार करना होता है मुश्किल: जयशंकर विदेश मंत्री ने इस साल 1 अक्टूबर को कहा, 'कभी-कभी आप डॉलर के उपयोग को मुश्किल बना देते हैं। हमारे कुछ व्यापारिक साझेदार हैं, जिनके साथ आपकी नीतियों के कारण डॉलर में व्यापार करना मुश्किल हो जाता है। हमें स्पष्ट रूप से समाधान तलाशने होंगे, लेकिन हमारे लिए, जैसा कि हमने पुनर्संतुलन के बारे में बात की। हमने कई बातों के बारे में बात की। जाहिर है कि यह सब मुद्राओं और आर्थिक जरूरतों पर भी प्रतिबिंबित होने वाला है।'

मार्शल आर्ट में अल्फिशा शेख ने जीता राष्ट्रीय मैडल

बिलासपुर : एक पुरानी कहावत है कि पूत के पांव पालने में ही दिखने लगते हैं।यानी कोई बच्चा आगे चलकर क्या बनेगा,ये उसकी परवरिश तय कर सकती है।ठीक ऐसे ही बिलासपुर की रहने वाली अल्फिशा शेख को उसके अब्बू और अम्मी ने वो तालीम दी,कि आज उसका नाम पूरे जहान में रोशन हो रहा है।बिलासपुर की बेटी ने छोटी सी उम्र में वो कारनामा कर दिखाया है,जिसे करने में अच्छे अच्छो के पसीने छूट जाए।

क्यों मशहूर हो रही हैं अल्फिशा ?

अल्फिशा शेख ने 11वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलाट मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में ब्रांज जीता है।ये पदक अल्फिशा ने नाम सब-जूनियर 36 से 38 किलो वजन की कैटेगिरी में आया।अल्फिशा पिछले दो साल से अपने पिता से मार्शल आर्ट के गुर सीख रहीं हैं।अल्फिशा के पिता शेख समीर खुद भी मार्शल आर्ट में माहिर है।इसलिए उन्होंने अपने जिगर के टुकड़े को भी खुद सा मजबूत बनाया है। किसी भी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अल्फिशा की ये पहली सफलता है। अब अल्फिशा का लक्ष्य इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म में अपनी पहचान बनाना है।

2 साल की कड़ी मेहनत का परिणाम

अल्फिशा शेख अभी 11 साल की है। पिछले 2 साल से अल्फिशा ने मार्शल आर्ट का खेल खेलना शुरु किया।धीरे-धीरे करके अल्फिशा इसमें इतनी माहिर हो गई कि आज राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सभी को अपना लोहा मनवाया। अल्फिशा के पिता भी मार्शल आर्ट के खिलाड़ी हैं। अल्फिशा उनसे ही इस खेल के गुण सीख रही है पिता उसे पूरे समय खेल के गुण और अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए उसे छोटी-बड़ी बातें बताते हैं। अल्फिशा शेख ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उसको भले ही गोल्ड मेडल नहीं मिला लेकिन टूर्नामेंट में उसे वो दांव पेच सीखने का मौका मिला,जिसे वो नहीं जानती थी।

देश में कमरतोड़ मंहगाई, फिर भी सरकार ने पेट्रोल डीजल टेक्स से कमाए 36.58 लाख करोड़

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका) राज्यसभा सांसद व कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा, मोदी सरकार की लूट की पोल संसद में खुल रही है। केंद्र सरकार ने खुद स्वीकारा है कि पेट्रोल - डीजल के दामों पर टैक्स, सेज और ड्यूटी लगाकर सरकार ने पिछले 5 साल में 36.58 लाख करोड़ रुपए कमाए। सुरजेवाला ने राज्यसभा में पेट्रोल –डीजल के दामों को लेकर सवाल किया। उन्होंने कहा मई 2014 से लेकर अब तक क्रूड ऑयल की कीमतों में 32 प्रतिशत गिरावट आई है। अभी भाव 73 प्रति बैरल है। इससे दिल्ली में पेट्रोल 64.44 रुपए प्रति लीटर और डीजल 59.61 रुपए प्रति लीटर होनी चाहिए। जबकि हकीकत में पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। इससे कमरतोड़ महंगाई हो रही है। धृतराष्ट्र जैसी मोदी सरकार को यह दिखाई नहीं दे रहा है।

बढ़ती सांप्रदायिक अशांति और पक्षपातपूर्ण प्रशासन पर प्रधानमंत्री को पूर्व सरकारी अधिकारियों का पत्र

देश के बिगड़ते सांप्रदायिक संबंधों को लेकर चिंतित नागरिकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखा है। पत्र में पिछले एक दशक में हिंदू-मुसलमान और अन्य समुदायों के बीच बढ़ते तनाव और असुरक्षा की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। पत्र में लिखा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में सांप्रदायिकता का माहौल खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। गोरक्षा के नाम पर मुस्लिम युवाओं को निशाना बनाने से लेकर मुस्लिम व्यापारिक प्रतिष्ठानों का बहिष्कार और उनके घरों पर बुलडोजर चलाने की घटनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। पत्र में दावा किया गया है कि लगभग 1.54 लाख व्यापारिक प्रतिष्ठानों और आवासों को नुकसान पहुंचाया गया है, जिनमें से अधिकांश मुसलमानों के हैं। यह भी कहा गया है कि प्रशासन की भूमिका अक्सर पक्षपातपूर्ण रही है, जिससे अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना और बढ़ गई है। पत्र में हाल ही में मध्यकालीन मस्जिदों और सूफी दरगाहों पर पुरातात्विक सर्वेक्षण की मांगों को खतरनाक बताया गया है। विशेष रूप से अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यह स्थल न केवल मुसलमानों के लिए बल्कि सभी धर्मों के अनुयायियों के लिए समर्पण और शांति का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री से समावेशी कदम उठाने की अपील

पत्र में प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया है कि वे मुख्यमंत्री और प्रशासनिक अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दें कि वे कानून और संविधान का पालन करें। साथ ही, प्रधानमंत्री से सभी धर्मों के प्रतिनिधियों के साथ एक सर्वधर्म बैठक बुलाने की मांग की गई है। इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश की बहुलवादी और समावेशी विरासत को बनाए रखा जाए और सांप्रदायिक ताकतों को इसे बाधित करने की अनुमति न दी जाए।

प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की मांग

पत्र के अंत में प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया है कि चिंतित नागरिकों के एक छोटे प्रतिनिधिमंडल को उनसे मिलने का समय दिया जाए, ताकि वे अपनी चिंताओं को विस्तार से प्रस्तुत कर सकें।इस पत्र ने समाज में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव पर नई बहस छेड़ दी है। यह प्रधानमंत्री से उम्मीद करता है कि वे भारत के सभी नागरिकों, विशेष रूप से अल्पसंख्यकों, को आश्वस्त करेंगे कि सरकार सांप्रदायिक सौहार्द और एकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए डीबी प्रिंट सोल्यूशन्स (यूनिट ऑफ डीबी कॉर्प लि.) 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886, G-mail : royalpatrika@gmail.com, Yahoo : royal_patrika@yahoo.com